जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:271 दिनांक:12-09-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

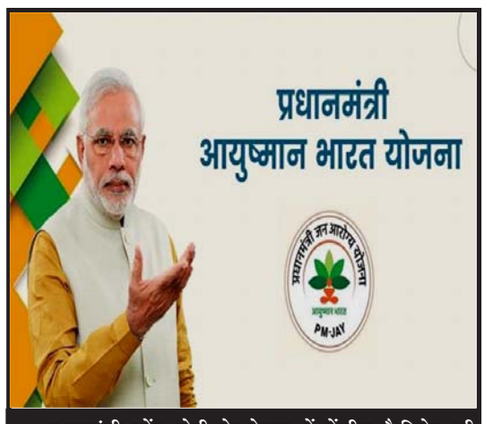

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अब 70 साल या उससे ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के आवास पर गणेश पूजा समारोह में भाग लिया। पीएम मोदी का स्वागत सीजेआई और उनकी पत्नी ने किया। इस दौरान पीएम मोदी ने मराठी अंदाज में सफेद टोपी पहनी हुई थी।

आयुष्मान भारत का 70 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल और इससे अधिक की आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय का सीमा बंधन न रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाएं देने को मंजूरी दे दी। इसके तहत स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत का 70 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को लाभ दिया जाएगा।

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का फैसला किया गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत अब 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को पांच लाख रूपये सालाना तक मुफ्त व कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। इस योजना से चार करोड़ परिवार में रहने वाले छह करोड़ बुजुर्गों को लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी लोगों को स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दे दी। इससे करीब छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा। 5 लाख रुपये के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर से करीब 4.5 करोड़ परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा। पात्र लाभार्थियों को एक नया अलग कार्ड जारी किया जाएगा।

इस योजना का लाभ लेने के लिए बुजुर्गों को आयुष्मान भारत के तहत पंजीकरण करना होगा। जल्द ही पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रेल, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि योजना 70 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को कवर किया जाएगा। केंद्र सरकार ने बुधवार को 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया है। इस योजना के अंतर्गत अब 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी लोग शामिल होंगे, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। कैबिनेट ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ँ इश-ॅ) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज की मंजूरी दी। बुजुर्गों को आयुष्मान भारत स्कीम के तहत 5 लाख रुपये तक की मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। अगर पहले से कोई परिवार आयुष्मान में शामिल है और इसमें कोई 70 साल से ज्यादा की उम्र का सदस्य है तो 5 लाख का अतिरिक्त म्दर्नी मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल या इससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दे दी। इसमें आय का कोई सीमा बंधन नहीं रहेगा। इस सुविधा विस्तार का उद्देश्य लगभग ऐसे 4।5 करोड़ परिवारों को लाभ पहुंचाना है, जिनमें छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। उन्हें प्रति परिवार 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा।

18 सितंबर को लग रहा इस साल का आखिरी चंद्रग्रहण

सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण दो प्रमुख खगोलीय घटनाएँ हैं जो दुनिया भर के लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं, चाहे वह विज्ञान के दृष्टिकोण से हो या आध्यात्मिक दृष्टिकोण से। सितंबर का महीना एक महत्वपूर्ण ग्रहण लाने वाला है। इस साल का दूसरा और आखिरी चंद्रग्रहण 17 सितंबर को होगा, और यह एक आंशिक चंद्रग्रहण होगा। आंशिक चंद्रग्रहण में, चंद्रमा का कुछ हिस्सा पृथ्वी की छाया में चला जाता है, जिससे चंद्रमा पर एक आंशिक अंधेरा दिखाई देता है। इस ग्रहण का दृश्यता क्षेत्र व्यापक होता है, और यह कई स्थानों पर देखा जा सकता है।

17 सितंबर के आंशिक चंद्रग्रहण का प्रभाव भारत में भी देखने को मिलेगा। भारत के विभिन्न हिस्सों में लोग इस चंद्रग्रहण को देख सकेंगे, हालांकि इसके दृश्यता का स्तर क्षेत्र के अनुसार भिन्न हो सकता है। इस ग्रहण के दौरान, चंद्रमा की चमक में कमी आने के कारण एक अद्वितीय दृश्य प्रस्तुत होगा।

नया कश्मीर नाकाम, लड़ाई जारी रहेगी

- इंजीनियर राशिद का जेल से बाहर आते ही पीएम मोदी पर हमला

बारामूला (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला से सांसद और अवामी इत्तेहाद पार्टी (आईपी) के अध्यक्ष शेख अब्दुल राशिद, जिन्हें इंजीनियर राशिद के नाम से जाना जाता है, आतंकी फंडिंग मामले में अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आ गए हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने की अनुमति दी है। राशिद की नियमित जमानत याचिका पर फैसला लंबित है।

जेल से बाहर आते ही इंजीनियर राशिद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नया कश्मीर के विचार पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं अपने लोगों को निराश नहीं करूंगा। मैं शपथ लेता हूं कि मैं पीएम मोदी के नया कश्मीर नैरेटिव से लड़ूंगा, जो जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह नाकाम हो गया है। 5 अगस्त 2019 को उन्होंने जो कुछ भी किया, लोगों ने उसे नकार दिया है। मैं अपने लोगों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

-डरो मत, डराओ मत

इंजीनियर राशिद ने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी से कहना चाहूंगा कि डरो मत और डराओ मत। हम डरने वाले नहीं हैं। मेरी लड़ाई उमर अब्दुल्ला की तरह कुर्सी के लिए नहीं है, बल्कि लोगों के लिए है। मेरे लिए सरकार नहीं, कश्मीर मुद्दा है। मैं बीजेपी का शिकार हूं, और मैं अपनी आखिरी सांस तक पीएम मोदी की विचारधारा के खिलाफ लड़ूंगा। राशिद ने यह भी कहा कि उनका मकसद कश्मीर के लोगों को एकजुट करना है, बांटना नहीं। वह कश्मीर मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं और चुनाव में किसी भी गठबंधन (चाहे वह एनडीए हो या इंडिया) से उन्हें कोई मतलब नहीं है।

- जेल से चुनाव लड़ने वाले पर सवाल

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इंजीनियर राशिद पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा एक तरफ जेल में बंद गरीबों को अपने परिजनों से मिलने की इजाजत नहीं है, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग जेल से चुनाव लड़ रहे हैं, पार्टियां बना रहे हैं, उन्हें वाहन और सुरक्षा मिल रही है।

- चुनाव में सक्रिय भागीदारी

इंजीनियर राशिद की अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी में है। अंतरिम जमानत मिलने के बाद राशिद प्रचार में जुट गए हैं और उनके जेल से बाहर आने के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति गरमा गई है।

बीजेपी मंत्री के खिलाफ 125 करोड़ के मामले में मुंबई पुलिस ने शुरू की जाँच

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई पुलिस ने एक कंपनी से जुड़े निवेश विवाद मामले में नागालैंड के कैबिनेट मंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष तेमजेन इम्ना अलोंग के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस की वित्तीय अपराध शाखा की स्पेशल टास्क फोर्स ने मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में यह जानकारी दी। इससे सोशल मीडिया पर मशहूर इस बीजेपी मंत्री की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। दरअसल तेमजेन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ के आदेश के बाद मुंबई पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई है। यह जांच मुंबई स्थित कंपनी हेज़ल मर्केंटाइल लिमिटेड द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान चल रही है। मामले की पैरवी वकील विवेक कांतावाला, अमेय पाटिल और विवेक शर्मा ने की। कंपनी का आरोप है कि उसने तेमजेन के कहने पर नागालैंड में 125 करोड़ रुपये का निवेश किया था। सभी आपूर्ति और भुगतान व्यवस्था के अनुसार किए जाने के बाद, तेमजेन ने खुद को कंपनी के लोगों से दूर कर लिया। 2015 में जब ये हुआ था तब तेमजेन किसी पद पर नहीं थे। इसके बाद कंपनी ने 9 फरवरी को मुंबई पुलिस की वित्तीय अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई। 2015 और 2018 के बीच टेमजेन से नागालैंड में निवेश के लिए संपर्क किया गया था। कंपनी ने 21 अप्रैल 2015 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए और लगभग 125 करोड़ रुपये का निवेश किया। एमओयू में चावल, चीनी और निर्माण सामग्री की आपूर्ति शामिल थी। हालांकि, बाद में तेमजेन की ओर से कंपनी को कोई जवाब नहीं मिला। तेमजेन 2023 में मुख्यमंत्री भाच्या रियो की सरकार में पर्यटन और उच्च शिक्षा मंत्री बने। कैबिनेट मंत्री के रूप में तेमजेन की स्थिति के कारण, टास्क फोर्स के पुलिस उपायुक्त संग्राम सिंह निशानदार ने 24 जून 2024 को नागालैंड लोकायुक्त को शिकायत भेज दी। लेकिन नागालैंड के लोकायुक्त के इनकार के बाद, हेज़ल मर्केंटाइल लिमिटेड ने यह तर्क देते हुए लोकायुक्त के फैसले पर रोक लगाने की मांग की कि उनका मंत्रिस्तरीय संदर्भ अनावश्यक था। बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक क्रांति ने कहा कि नागालैंड लोकायुक्त ने इस संबंध में जवाब दिया है। कथित लेन-देन तेमजेन के कैबिनेट मंत्री बनने से पहले हुआ था। इसलिए लोकायुक्त की ओर से कहा गया कि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। वकील क्रांति ने बताया कि लोकायुक्त के बयान के बाद आर्थिक अपराध शाखा की स्पेशल टास्क फोर्स ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच, इन दलीलों के बाद पीठ ने जांचकर्ताओं को जांच जारी रखने का समय देते हुए सुनवाई आठ सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। कार्यवाही के दौरान जस्टिस चव्हाण ने डिप्टी कमिश्नर निशानदार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह सीधे और काम के प्रति समर्पित हैं।

ईडी ने धनशोधन रोधी कानून के तहत भगोड़े नीरव मोदी की 29.75 करोड़ रु. की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन रोधी कानून के तहत भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की 29.75 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि संबंधित परिसंपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। इसने कहा कि ये परिसंपत्तियां बैंक जमा, भूमि और भवन के रूप में हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी)के साथ दो अरब डॉलर की कथित धोखाधड़ी के मामले में पांच साल से अधिक समय से जांच कर रही एजेंसी ने पूर्व में नीरव मोदी की भारत और विदेश स्थित 2,596 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी।

नीरव मोदी (53) वर्तमान में ब्रिटेन की जेल में बंद है और इस कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले के संबंध में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी याचिका खारिज हो चुकी है। इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भी की जा रही है। मामले में मुख्य आरोपी नीरव और उसके मामा मेहुल चोकसी तथा अन्य के खिलाफ मुंबई में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की ब्रैडी हाउस शाखा में बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने तथा फर्जी गारंटी पत्र जारी करने के आरोप हैं।

संजौली में हिंदू संगठनों का उग्र प्रदर्शन, लाठी चार्ज और पानी की बौछारें मारीं, 10 घायल

शिमला बुधवार को शिमला में मस्जिद में हुए अवैध निर्माण के विरोध में उग्र प्रदर्शन किया गया। गुस्साई भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को दो बार लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस लाठीचार्ज और धक्का-मुक्की के कारण दस लोग घायल हो गए। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में मस्जिद में हुए कथित अवैध निर्माण के विरोध में बुधवार को हिंदू संगठनों ने उग्र प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन के धारा 163 लगाने के बावजूद संजौली में हजारों की भीड़ जुटी और मस्जिद गिराने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी करीब छह घंटे अड़े रहे। गुस्साई भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को दो बार लाठीचार्ज करना पड़ा। पानी की बौछारें भी की। पुलिस लाठीचार्ज और धक्का-मुक्की के कारण दस लोग घायल हो गए। घायलों में पांच पुलिस कर्मी भी शामिल हैं। दर्जनों लोगों को हल्की चोटें भी आई हैं।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेड लगाए थे, लेकिन गुस्साए लोगों ने बैरिकेड भी तोड़ डाले। इसके बाद जब भीड़ मस्जिद से महज 50 मीटर दूरी पर पहुंची तो दूसरे बैरिकेड तोड़ने की कोशिश करने पर धक्का-मुक्की से माहौल और तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने दोबारा भीड़ पर लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान दमकल वाहनों की मदद से पानी की तेज बौछारों से भी भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। पुलिस ने सुबह 9:00 बजे शुरू हुए प्रदर्शन से दोपहर बाद 3:30 बजे तक दो बार लाठीचार्ज किया। इसके बावजूद लोगों की भीड़ हटने को तैयार नहीं थी। कई बार प्रदर्शनकारियों के आगे पुलिस बेबस नजर आई।

प्रदर्शनकारी जय श्रीराम और वंदेमातरम के नारे लगाते रहे। कई प्रदर्शनकारी तिरंगा झंडा लेकर पहुंचे थे। बेशक रैली की कॉल हिंदूवादी संगठनों की थी, लेकिन इसमें स्थानीय लोगों के अलावा सोलन, सिरमौर और बिलासपुर से भी लोग शामिल हुए। मामला जब गंभीर हुआ तो पुलिस और जिला प्रशासन ने बाजार में वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इससे आम जनता भी परेशान हुई। संजौली बाजार में दुकानें बंद करवानी पड़ी। छुट्टी के बाद स्कूलों में बच्चों को रोकना पड़ा। हालात इतने खराब हो गए कि जिला प्रशासन को सकुर्लर जारी करना पड़ा कि अभिभावक खुद आकर स्कूल से अपने बच्चों को लेकर जाएं।

इससे पूर्व हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने ढली सब्जी मंडी के पास प्रदर्शन किया और फिर टनल के पास चक्का जाम कर दिया। हैरानी इस बात की है कि खुफिया तंत्र और पुलिस के इनपुट के बावजूद संजौली में भारी भीड़ एकत्रित हो गई और उसे कोई खबर तक नहीं लगी। पुलिस-प्रशासन ही नहीं खुफिया तंत्र भी पूरी तरह फेल नजर आया। इसका खामियाजा यह रहा कि प्रदर्शन के कारण शहर की जनता दिनभर परेशान होती रही। करीब छह घंटे की जद्दोजहद के बाद करीब 3:30 बजे प्रदर्शनकारियों को रोका जा सका, लेकिन उग्र प्रदर्शन के कारण शिमला शहर में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इस दौरान पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा, एडीजी अभिषेक द्विवेदी, शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप और शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए दिनभर डटे रहे।

बुधवार सुबह 4:30 बजे से संजौली बाजार में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया था। इस दौरान सभी सड़कों और रास्तों पर पुलिस का सख्त पहरा था। खासकर मस्जिद जाने वाले तीन रास्तों पर पुलिस ने किसी को भी आने-जाने की अनुमति नहीं दी थी। इस दौरान प्रदेश की छह बटालियनों समेत 1,000 से अधिक पुलिस जवान तैनात थे। सुबह के समय इक्का दुक्का लोगों ने प्रदर्शन किया, जिससे प्रशासन और पुलिस विभाग को बड़े प्रदर्शन का अंदाजा नहीं लग सका। धारा 163 लागू होने के बावजूद सुबह करीब 9:30 बजे ढली टनल की तरफ हजारों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और 12:11 मिनट पर उग्र भीड़ ने ढली टनल पर पुलिस की बैरिकेडिंग को तोड़ा। भीड़ नारेबाजी करते हुए मस्जिद की ओर बढ़ने लगी। आनन-फानन में संजौली बाजार के बीच पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए दूसरा बैरिकेड लगाया। यहां पहुंचने पर हजारों की भीड़ ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। इसी बीच पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया और वाटर केनन का इस्तेमाल भी किया। पुलिस के लिए चिंता इस बात की थी कि जहां भीड़ पहुंची थी,

कोलकाता हत्याकांडः प्रदर्शनकारी नहीं मान रहे आदेश, बारिश में जारी है विरोध प्रदर्शन

डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल नहीं आया मिलने, इंतजार करती रही सीएम ममता

कोलकाता,(ईएमएस)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रेप और हत्या मामले को लेकर बुधवार को भी डॉक्टरों का धरना जारी था। बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, वह अपना शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। प्रदर्शनकारी स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य सेवा निदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को निलंबित करने की मांग पर अड़े हैं।

बता दें सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली जूनियर डॉक्टरों को मंगलवार शाम तक काम पर लौटने को कहा था, जिसकी समय सीमा खत्म हो चुकी है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने राज्य सरकार के उस आह्वान को भी नहीं माना जिसमें राज्य सचिवालय नबान्न में एक छोटा प्रतिनिधिमंडल भेजने और सीएम ममता बनर्जी, नवनियुक्त मुख्य सचिव मनोज पंत और राज्य के स्वास्थ्य सचिव नरवण स्वरूप निगम के साथ चर्चा करने का अनुरोध किया था।

पीड़ित के पिता ने कहा कि विरोध प्रदर्शन की यही दृढ़ इच्छाशक्ति उनकी बेटी के लिए न्याय की उम्मीद को जिंदा रखती है। सीएम ममता ने लोगों से अपील की थी कि वे विरोध प्रदर्शन खत्म कर दें और त्योहारों के मद्देनजर वापस काम पर लौट जाएं। सीएम के इस बयान पर पीड़िता की मां ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखाई। उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से कहा कि इस समय मेरी बेटी को न्याय दिलाने के लिए विरोध प्रदर्शन ही असली त्यौहार है। संकट की इस घड़ी में हमारे साथ होने के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करती हूं। मंगलवार को राज्य के उत्तरी बाहरी इलाके में साल्ट लेक में स्थित राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय, स्वस्थ भवन की ओर एक विरोध मार्च निकाला गया। प्रवेश द्वार के पास रोके जाने पर प्रदर्शनकारियों ने वहीं पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया, जो आज भी जारी रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार शाम डॉक्टर्स को काम पर लौटने की डेडलाइन दी थी लेकिन डॉक्टरों ने प्रदर्शन जारी रखा। वहीं बंगाल सरकार ने भी डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए बुलाया था। छात्रों को भी ईमेल भेजा गया था।

लेकिन ममता सरकार के इस प्रस्ताव को प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर्स ने खारिज कर दिया। टीएमसी नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि दस डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल को बुलाया गया था। सीएम ममता बनर्जी ने डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए अपने कक्ष में इंतजार कर रही थीं, लेकिन डॉक्टरों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद सीएम ने बंगाल सचिवालय से निकल गईं।

डॉक्टर्स ने कहा कि बंगाल सरकार द्वारा बातचीत के लिए संपर्क करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सचिव का ईमेल आया है। हम इसे सकारात्मक संकेत के रूप में नहीं देखते हैं। हम बातचीत के लिए हमेशा तैयार हैं, लेकिन स्वास्थ्य सचिव का मेल भेजना हमारे लिए बहुत अपमानजनक है।

बता दें सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि पुलिस यह तय करेगी कि सभी डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी परिस्थितियां बनाई जाएं, जिसमें अलग-अलग डयूटी रूम, शौचालय सुविधा, सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यवस्था शामिल है। डॉक्टरों को सबसे पहले काम पर लौटना चाहिए और उन्हें काम पर वापस आकर अपना काम पूरा करना चाहिए। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी के बाद हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे। तब से अब तक बंगाल में डॉक्टर्स प्रदर्शन कर रहे हैं।

अनंतनाग में मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा अगर हमारी 20 सीटें और आतीं तो भाजपा के लोग जेल में होते

अनंतनाग(ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने बुधवार को अनतंनाग में रैली की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आज हर जगह हमले हो रहे हैं, फिर भी मोदी जी झूठ बोलने में शर्माते नहीं हैं। क्योंकि वे झूठों के सरदार हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि कहां गए 400 पार वाले? वो (भाजपा) 240 सीट पर सिमट गए। अगर हमें (विपक्ष को) 20 सीटें और आ जातीं तो ये सारे लोग जेल में होते। ये लोग जेल में रहने के लायक हैं।

खडग़े ने कहा कि भाजपा भाषण तो बहुत देती है, लेकिन काम और कथनी में बहुत अंतर होता है। भाजपा चाहे जितनी कोशिश कर ले, कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का गठबंधन कमजोर नहीं होगा। हमने संसद में अपनी ताकत दिखाई है। हम उसी ताकत के साथ आगे बढ़ेंगे।

भाजपा धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश कर रही

उन्होंने कहा कि अनंतनाग एक ऐतिहासिक महत्व की जगह है। यहां मौजूद अमरनाथ जी की गुफा के दर्शन के लिए हजारों लोग आते हैं, क्योंकि यह धार्मिक एकता का स्थल है। आज भाजपा यहां के लोगों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे। राहुल गांधी जी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। इस यात्रा में इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया, जिससे काफी कामयाबी मिली।

भाजपा हमारे डर से बार-बार अपनी लिस्ट बदल रही नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन देख भाजपा बौखला गई है, इसलिए वह जम्मू-कश्मीर की लिस्ट बार-बार बदल रही है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि भाजपा के लोग इंडिया गठबंधन की एकता को देखकर डर गए हैं।

वाहन स्क्रैपिंग नीति में जल्द हो सकता है बदलाव

15 साल पुरानी गाड़ियों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार जल्द ही अपने तीन साल पुराने वाहन स्क्रैपिंग नीति में बदलाव कर सकती है और 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों को राहत दे सकती है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, फिटनेस टेस्ट केंद्रों द्वारा अनुपयुक्त पाए जाने पर ऐसे वाहनों को स्क्रैप करने का अनिवार्य नियम संशोधित किया जा सकता है। केंद्र सरकार अब वाहन को स्क्रैप करने से पहले उसकी उम्र के बजाय प्रदूषण स्तर (पॉल्यूशन लेवल) पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य रखती है।

केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय वाहन स्क्रैपिंग नियम में यह बदलाव करने के लिए वाहनों की प्रदूषण जांच को विश्वसनीय बनाने की योजना बना रहा है। मंत्रालय में सचिव अनुराग जैन ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन के दौरान इस संबंध में ऑटो उद्योग से मदद मांगी। भारत में 2021 में वाहन स्क्रैपिंग नीति शुरू की गई थी। ताकि प्रदूषण के स्तर को कम रखने के लिए पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सडक़ से हटाया जा सके। नीति के दिशानिर्देशों के अनुसार, 20 साल से ज्यादा पुराने निजी वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने वाणिज्यिक वाहनों को अधिकृत फिटनेस केंद्रों पर अनिवार्य फिटनेस परीक्षण से गुजरना होगा। अगर परीक्षण के नतीजे नकारात्मक हैं, तो वाहनों को स्क्रैपयार्ड में भेजना होगा।

जैन ने कहा कि यह कदम वाहन मालिकों की प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। उन्होंने कहा कि नियम को निश्चित उम्र तक पहुंचने वाले वाहनों की तुलना में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। जैन ने कहा कि जब आप एक नीति लेकर आते हैं कि 15 साल के बाद स्क्रैपिंग अनिवार्य है, तो लोग हमारे पास एक सवाल लेकर आते हैं - अगर मैंने अपने वाहन का रखरखाव अच्छा किया है, तो आप मेरा वाहन क्यों स्क्रैप करना चाहते हैं? आप अनिवार्य नहीं कर सकते। इसे संभव बनाने के लिए वाहनों की प्रदूषण जांच भी सख्त होने की जरूरत है। जैन ने एक बेहतर प्रदूषण जांच तंत्र विकसित करने के लिए उद्योग से मदद मांगी। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदूषण परीक्षण कुछ ऐसा बन जाए जो विश्वसनीय हो। मैं आप सभी से प्रदूषण जांच के कार्यक्रम को डिजाइन करने में हमारी मदद करने का अनुरोध करता हूं। जो हम सभी अभी जानते हैं कि प्रमाणपत्र कैसे हासिल किया जाता है।

बिक्री में 18 प्रतिशत की हो सकती है बढ़ोतरी

वाहन स्क्रैपिंग नियमों में संशोधन करने की योजना केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की टिप्पणी के बीच आई है। उन्होंने कहा कि वाहन स्क्रैपिंग प्रणाली के जरिए ऑटो उद्योग को बिक्री में 18 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी से लाभ हो सकता है। उन्होंने यूरोप और अमेरिका के उदाहरण साझा किए, जहां कार निर्माताओं ने इसी तरह की नीति अपनाकर 15 प्रतिशत तक की बिक्री बढ़ोतरी दर्ज की।

15 मिनट के अंदर ही पास की नजर बढ़ाने वाले आई ड्राप के निर्माण और बिक्री पर रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15 मिनट के अंदर ही पास की नजर बढ़ाने वाले आई ड्राप के निर्माण और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आई ड्राप का निर्माण करने वाली मुंबई की कंपनी के इस तरह के दावों को न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल रूल्स, 2019 के प्रावधानों को उल्लंघन बताते हुए, अगले आदेश तक दवा पर रोक लगा दी है। भारत के औषधि महानियंत्रक की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कंपनी जिस तरह के दावे कर रही है, उसके लिए सेंट्रल लाइसेंसिंग अथॉरिटी से कोई मंजूरी नहीं ली गई थी।

कंपनी ने दावा किया था कि उसका आईड्रॉप एक एडवांस विकल्प प्रदान कर सकता है, जो 15 मिनट के भीतर नजदीकी दृष्टि को बढ़ाता है। इसके साथ ही यह भी कहा गया था कि यह देश का पहला ऐसा आई ड्रॉप डिजाइन किया गया है, जो प्रेसबायोपिया से पीड़ित लोगों के लिए पढ़ने के चश्मे पर निर्भरता को कम करने में मदद कर सकता है। जबकि कंपनी को उत्पाद के निर्माण और बिक्री की मंजूरी प्रेसबायोपिया के इलाज के लिए दी गई थी। दावा किया गया था कि इस आई ड्रॉप के प्रयोग से चश्मा भी हट सकता है और दवा डालने के 15 मिनट के अंदर ही असर होने लगेगा। दिखने में फर्क आने लगेगा। इन दावों के बाद लोगों में इस आई ड्रॉप को लेकर काफी उत्सुकता देखने को मिली थी। मीडिया और सोशल मीडिया में दवा को लेकर चर्चाएं हुई क्योंकि चश्मे से परेशान लोगों को प्रेस्बू आई ड्रॉप के रूप में बड़ी उम्मीद नजर आई। वहीं अब भारत के औषधि महानियंत्रक के आदेश के बाद यह साफ हो गया है कि कंपनी को इस तरह के दावे करने का अधिकार नहीं दिया गया था।

जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट पर चार साल की निष्क्रियता के लिए केरल सरकार को कड़ी फटकार

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। केरल हाईकोर्ट ने मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाकर्मियों की समस्याओं पर प्रकाश डालने वाली जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट पर चार साल की निष्क्रियता के लिए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूरी रिपोर्ट को देखे और अगर रिपोर्ट में कोई अपराध पाया जाता है तो कार्रवाई करे। समिति ने दिसंबर, 2019 में राज्य सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग को रिपोर्ट सौंप दी थी।

हाईकोर्ट ने सवाल किया, 'राज्य सरकार अब तक निष्क्रिय क्यों थी, जबकि उसे 2019 में रिपोर्ट मिली थी?' अदालत ने कहा कि सरकार ने चार साल से अधिक समय तक रिपोर्ट को दबाए रखने के अलावा कुछ नहीं किया। पीठ ने कहा, 'हम राज्य सरकार की निष्क्रियता से चिंतित हैं, जिसमें एफआईआर दर्ज करना भी शामिल है, जब मलयालम फिल्म उद्योग में मुद्दों पर गौर करने वाली रिपोर्ट फरवरी 2021 में राज्य पुलिस प्रमुख को सौंपी गई थी।'

जब सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि एसआईटी को अभी रिपोर्ट की पूरी कॉपी नहीं मिली है, तो अदालत ने राज्य सरकार को रिपोर्ट की अप्रकाशित कॉपी और सभी संबंधित द

जन हितैषी

पिछले 10 साल धर्म की राजनीति के,अब जाति की राजनीति के

भारतीय राजनीति मे इन दिनों धर्म और जाति के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा हो रही है। पिछले 10 साल की राजनीति में धर्म आधा?रित राजनी?ति प्रमुख कारण था। 2014 का लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंदुत्व को आधार बनाकर जीता। गुजरात मॉडल के धार्मिक ध्रुवीकरण ने भाजपा को केंद्र एवं राज्यों की सत्ता में मजबूती से स्थापित किया। धार्मिक ध्रुवीकरण का यह मॉडल सारे देश में फैलाया गया। केंद्र एवं राज्यों में डबल इंजन की सरकारें बनी। जिससे देश में धर्म आधारित राजनीति को बढ़ावा मिला। धा?र्मिक आधार पर राजनी?ति का ध्रवीकरण हुआ। भाजपा ने इसे ही राजनीति का सत्य मान लिया था। विपक्षी दल भी लगभग 10 साल तक बदली हुई परिस्थितियों में कोमा में चले गए थे। 80:20 की राजनीति का गणित विपक्षी दल नहीं समझ पा रहे थे। धर्म की राजनीति अपने चरम पर पहुँच गई। धर्म के आधार पर भगवान राम और हिंदुत्व के नाम पर जो राजनीतिक सफलता नरेंद्र मोदी और भाजपा ने प्राप्त की थी। उसका आम जनता को कोई लाभ नहीं मिला। 2014 में जो वादे किए गए थे। वह पूरे नहीं हुए। उल्टे महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज आम लोगों पर बढ़ता चला गया। पिछले 10 सालों में जनता के ऊपर कई तरह के टैक्स और शुल्क लगाकर सरकारों ने भारी राजस्व कमाया। पिछले 10 सालों में जनता की परेशानी शनेः- शनेः बढ़ती चली गई। धर्म की राजनीति का तिस्लिम अब टूटता हुआ दिख रहा है। भ?विष्य के चुनावों में अब धर्म का स्थान जाति के आधार पर तैयार हो रहा है। भारत में परिवार एवं जाति समुदाय की भूमिका हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। आने वाले समय में आर्थिक कारणों से जा?ति आधा?रित राजनी?ति अधिक सशक्त होना तय है। भारतीय राजनीति मे जाति के मुद्दे को इस्तेमाल कर, विपक्षी दलों ने सत्ता पक्ष के चुनावी समीकरणो को पूरी तरह से चुनौती देने की तैयारी कर ली है। दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग का बड़ा समूह विभिन्न जाति और समुदाय में बंटा हुआ है। सभी विपक्षी दल मिलकर आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन के आधार पर 67 फ़ीसदी आबादी को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। 2024 का लोकसभा चुनाव धर्म आधारित राजनीति के लिए मुफीद नहीं रहा। चुनाव के पहले भाजपा 400 पार का नारा दे रही थी, चुनाव परिणाम आने के बाद 240 पर सिमट गई। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राज्यों में जो चुनाव हो रहे हैं। उसमें यह बदलाव स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। आने वाले विधानसभा चुनावों में भारतीय राजनीति के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता हैं। भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों को इस बदलाव का एहसास हो गया है। भविष्य की रणनीति, जाति-समुदाय के आधार पर बनाने की रणनीति सभी राजनै?तिक दल तैयार कर रहे हैं। इस बदलाव में अब भारतीय जनता पार्टी भी अब शामिल होती हुई दिख रही है। भारतीय राजनीति में, हमेशा से धर्म, जाति और गरीबी अमीरी की लड़ाई चुनाव का मुख्य मुद्दा बनती रही है। समय-समय पर राजनीतिक दल इन्हीं तीन आधारों पर चुनाव जीतने की कोशिश करते रहे हैं। वर्तमान स्थिति में जाति का मुद्दा भारतीय राजनीति में प्रभावी हो गया है। बीते 10 साल धर्म आधारित राजनीति के थे। आर्थिक महंगाई,बेरोजगारी और बढ़ते कर्ज के कारण अब भारतीय राजनीति परिवार और जाति पर केंद्रित हो रही है। इसका लाभ विपक्षी दलों को बड़े पैमाने पर मिलता हुआ दिख रहा है। समय के साथ चीजें बदलती हैं। अब समय बदल रहा है। समय के साथ राजनीतिक हालात भी बदल रहे हैं। कमंडल के बाद मंडल की राजनी?ति 35 वर्ष बाद नए रुप में सामने आ रही है। 2021 की जनगणना जो 2024-25 में होगी। उसमें जा?ति आधा?रित जनगणना लगभग तय हो चुकी है। भारतीय राजनीति समय के साथ तेजी से बदल रही है।

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सदगुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो।

यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं; उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आय माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो।

क्या तुम देखते हो, हर व्यक्ति किसी न किसी चीज की भीख माँग रहा हैः गौतम बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा माँगी, शेष चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे। दूसरे सभी लोग, बस एक ही चीज के लिए भीख नहीं माँगते, अपना भोजन भीख में नहीं माँगते, बाकी सभी चीजों के लिए भीख माँगते हैं। उनका पूरा जीवन ही भीख माँगना है। केवल भोजन अर्जित करते हैं। लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति, केवल भोजन के लिए भिक्षा माँगता है, अन्य सभी चीजें अपने भीतर से अर्जित करता है। जिस भी तरह से रहना तुम बेहतर मानते हो, उसी तरह से रहो। जिस भी तरह से रहने को तुम जीने का एक सशक्त ढंग मानते हो, उसी तरह से जिओ।

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।

यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीटयूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 मेंयहचेतायाभी है कि यदि भारत में डब्ल्यू एचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।

हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्योंमेंमेट्रोट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिकइकाइयोंकोशहरोंसेदूर स्थापितकिया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण मेंयोगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था कोनियमित रूप से लागू क्यों नहींकियाजासकता?ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरानहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा?

रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा।

कबूतरबाज नहीं आ रहे बाज, विदेशों की चाह में लूटते भारतीय युवा?

डालरों की चमक व सोने के सिक्कों की खनक की चाह में भारतीय युवाओं को कबूतरवाज जिस तरह से लूट रहे हैं किसी से छिपा नहीं है ठगी के मामलों बहुत इजाफा हो रहा है केंद्र सरकार को इन घटनाओं पर संज्ञान लेना चाहिए त्प्रतिदिन समाचार पत्रों में युवाओं को विदेश भेजने के नाम पर ठगी के सैंकडों मामले सुर्खियां बनते है एक समाचार के अनुसार ऐसा ही एक ताजा मामला हिमाचल प्रदेश के मंडी व ऊना मे घटित हुआ है मंडी मे युवाओं को विदेश भेजनें के नाम पर 20 लाख की ठगी हुई है और ऊना मे 30 लाख की ठगी हुई है त ऐसे ठगों को आजीवन कारावास देना चाहिए त्कुछ वर्ष पहले भी कांगडा में ही दो युवकों से दस लाख रुपये की ठगी की गई थी पहले उन्हे विदेश बुला लिया और बाद में वीजा न लगने का कारण बताकर स्वदेश वापस भेज दिया दोनों युवकों से पांच-पांच लाख की रकम ठग ली थी।कुछ दिनों पहले हिमाचल के जिला मण्डी के युवको के साथ भी ऐसा ही हादसा हुआ था जो बड़ी मुशिकल से मलेशिया से वापस आए थें। ऐसे ठगी के मामले निरंतर बढ़ते जा रहे हैं लेकिन प्रशासन व सरकारें इस गोरखधन्धे पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहा है कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक लोग कबूतरबाजों के कारण ठगे जा रहे हैं अगर केन्द्र सरकार इन कबूतरबाजों पर शिंकजा कसे तो यह मामले रुक सकते हैं।फर्जी ट्रेवल एजेटों का जाल हर जगह फैलता जा रहा है,मगर सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी है जब कोई मामला प्रकाश में आता है तब जरा सी हलचल होती है मगर फिर वही सिलसिला बदस्तूर जारी रहता है।ठगो व कबूतरबाजों द्वारा आज तक देश में पता नहीं कितने लोगों को शिकार बनाया होगा। कबूतरबाजी में पुरुष ही नहीं महिलाएं भी लोगों को लाखों का चूना लगा रही हैं। महिलाओं के झासें में आकर काफी लोग अपनी संपतियां गंवा चुके हैं। लोग जमीन जायदाद बेचकर और खून पसीने की कमाई अपने बच्चों को रोजगार हेतू विदेश भेजते है मगर ऐजेंट लोग पैसा हड़प लेते हैं कभी तो ऐसे हालात बनते हैं कि इन्हे अवैध तरीके से ले जाते है और पकडे जाने पर जेलों में भेजे जाते हैं।आज पता नहीं कितने ही लोग जेलों में सड़ रहे हैं और नारकीय जीवन जिन्दगी बिता रहे हैं। कबूतरबाजी के ज्यादातर मामले पंजाब,हरियाणा ,दिल्ली व उतरप्रदेश में हो रहे हैं हर रोज पंजाब के किसी न किसी कोने से ऐसी वारदातों की खबरें आती रहती हैं।हिमाचल प्रदेश में भी कबूतरबाजों का साया फैलता जा रहा है। समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों के मुताबिक बीते सालों में होशिरयारपुर में कनाडा भेजने के नाम पर एक युवक से 6 लाख 55 हजार रुपये की ठगी की गई।वर्ष 2009 में बंठिडा में जापान भेजने के नाम पर लुधियाना के एक युवक से 9 लाख रुपयों की ठगी हुई थी। गत वर्ष हिमाचल के मण्डी जिले की बल्ह घाटी के दर्जनों युवकों से भी एक एजेन्ट ने ठगी की थी।पुलिस ने एजेंट को पकड़ लिया था।2012 में कांगड़ा के जसूर में भी एक महिला ने इराक भेजने के नाम पर युवकों को ठगा और विदेश में नौकरी के नाम पर आधा दर्जन युवको से 1.40 लाख,दूसरे युवक से 1.50 लाख और तीसरे युवक से 80 हजार रुपये ठगे।कागंडा के पालमपुर में भी एक युवक को मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी कर युवक को शिकार बनाया था एंजेट ने उसे विदेश तो भेज दिया मगर ओपचारिकताएं पूरी न होने के कारण उसे वहां से बैरंग लौटना पड़ा। युवक के पिता ने बेटे को विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन तक बेच दी थी। एंजेट ने न तो पैसे लौटाए और न ही नौकरी दिलवाई। ऐसे बहुत से मामले हैं मगर प्रकाश में नहीं आते हैं लोगों की मेहनत का पैसा लूटा जा रहा है। ।आज झूठे विज्ञापन देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है और पैसा लूटा जा रहा है।देश में हर रोज ऐसे मामले हो रहे हैं मगर युवाओं में विदेश जाने की ललक कम नहीं हो रही है।

कुशल लोगों को तो विदेश में अच्छा पैसा मिलता है मगर अकुशल लोगों को मुशिकल होती है, अक्सर देखा गया है कि लोग भी साम, दाम, दंड,भेद से वीजा हासिल कर लेते है मगर जब फंसते हैं तब अक्ल आती है। केन्द्र सरकार को चाहिए कि विदेश भेजने के लिए देश कें प्रत्येक राज्यों के मुख्यालयों में सरकारी एंजैसियां स्थापित करनी चाहिए ताकि युवाओं को वैध तरीके से विदेश भेजा जाए। यदि सरकार ऐसे कदम उठाती है तो युवा ठगने से बच सकते हैं। क्योकि जब सारा काम वैध होगा तो लोगों में भी विदेश जाने की ललक बढेगी। कबूतर बाजों को उम्रकैद की सजा देनी चाहिए ताकि इस प्रवृति पर पूर्ण रुप से अकुश लगाया जा सके। दूतावासों के माध्यम से अगर लोगों को विदेश भेजने की योजना बनाई जाए तो लोग ठगने से बच सकते हैं। सरकारों को इन मामलो को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

सरकार को ठगी करने वाले लोगों व फर्जी तरीके से विदेश भेजने वालों के खिलाफ छापेमारी करनी चाहिए तथा इनकी जमीन-जायदाद की नीलामी करवानी चाहिए। देश के प्रत्येक नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए तथा ऐसे लागों का पर्दाफाश करना चाहिए। अवैध रुप से चल रही ट्रैवल एजेसियों पर प्रतिबन्ध लगाया जाए तथा इनके मालिको को गिरफतार करके कारावासों में डाला जाए। अगर सरकार सक्रिय हो जाए तो इस गोरखधंधे पर रोक लग सकती है और लोगो का पैसा भी सुरक्षित रह सकेगा।ऐसे लोगों को नेस्तनाबूद करना होगा। लोगों को भी चाहिए कि पूरी औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद ही विदेश जाना चाहिए। येन-केन-प्रकारेण तरीको को न अपनाएं तथा विदेश भेजने वाले ट्रैवल एंजैटो की पूरी छानबीन करके ही जोखिम उठाएं।सरकार को जागरुकता शिविर लगाने चाहिए तथा लोगों को विदेश जाने के नियमों की जानकारी देनी चाहिए।क्योकि नियमों का पता न होने के कारण ही कबूतरबाज लोगो को शिकार बनाते हैं।विदेशों मे स्थापित दूतावासों को भी समय-समय पर लोगों को फर्जी एंजेटों की सूची जारी करते रहना चाहिए ताकि लोगो की खून पसीने की कमाई बच सके। पुलिस प्रशासन को इनके विरुद्ध धारा 420 के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। कबूतरबाजों को सबक सिखाने का समय आ गया है।सामूहिक रुप से इनका खात्मा करना होगा यह देश हित में है। केन्द्र सरकार को ऐसे मामलो पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भारतीय युवा विदेशों में रोजगार के लिए जा सके और ठगने से बच सके।यह देश हित मे हैत (लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

जैन धर्म के के अनुसार आत्मा का स्वरूप

जीव अर्थात् जीता है, जीवत्व और आयुष्य कर्म का अनुभव करता है, इससे प्राणी का नाम जीव है बोधि के तीन प्रकारहैं-ज्ञान बोधि, दर्शन बोधि, चारित्र बोधि।जैन दर्शन का यह अभिमत हैकि हम कोरे ज्ञान से मुक्ति को नहीं पा सकते, कोरे दर्शन और चारित्रसे भी उसे नहीं पा सकते। उसकी प्राप्ति तीनों के समवाय से अर्थात् अविकल सम्बोधि से हो सकती है। जैन धर्म के मुख्य सिद्धान्त हैं-

1.आत्मा है। 2.उसका पुनर्जन्म होता है। 3.वह कर्मों की कत्ता है। 4.वह कृत कर्म के फल का भोक्ता है।

जाहा जीवेति, जीवत्तं, आउयं, च कम्मं उपजीवति तम्हा 'जीवे' त्ति वत्तत्वं सिया भगवती सूत्र में जीव के तेईस नाम बताये गए हैं1-1. जीव, 2. जीवास्तिकाय, 3. प्राण,

4.भूत,5.सत्व,6.विज्ञ, 7.वेद,8.चेता,9.जेता,10.आत्मा,11. रंगण, 12. हिंडुक, 13. पुद्गल, 14. मानव,15. कत्ता, 16. विकर्ता, 17. जगत्, 18. जन्तु, 19. योनि, 20. स्वयंभूत, 21. सशरीरी, 22. नायक और 23. अन्तरात्मा। जीव-जीने का अर्थ है-''प्राणों का धारण करना''। जीवत्व का अर्थ है-उपयोग, ज्ञान और दर्शन सहित होना। आयुष्य कर्म केअनुभव का अर्थ है-निश्चित जीवन अवधिकाउपयोग। जितनेभीसंसारी जीव हैं, सब प्राणसहित हैं। ज्ञान और दर्शन जो जीव मात्र के स्वाभाविक गुण हैं। हर एक प्राणी की अपनी-अपनी आयुय होती है। इस तरह जीते रहने से प्राणीजीव कहलाता है। जीवास्तिकाय-जीव अपने कर्मानुसार अनेक देह धारण करता है। परन्तु छोटे से छोटे और बड़े से बड़े शरीर में भी उसके असंख्यात प्रदेशीपन में कमी या अधिकता नहीं होती। चींटी और हाथी दोनोंके जीव असंख्यात प्रदेशीहैं।आत्मा-चैतन्य लक्षण,चैतन्य स्वरूप याचैत न्यगुणपदार्थका नामआत्मा है। ऐसी आत्माएँ अनन्त है। उनकी सत्ता स्वतंत्र है। वे किसी दूसरी आत्मा या परमात्मा के अंश नहीं हैं। प्रत्येक आत्मा की चेतना अनन्त होती है,

अनन्त प्रमेयों को जानने में सक्षम होती है। चैतन्य स्वरूप की दृष्टि से सब आत्माएँ समान होती हैं, किन्तु चेतना का विकास सबमें समान नहीं होता। चैतन्य विकास के तारतम्य का निमित्त कर्म है। प्राण-जीव श्वास निःश्वास करता है, इससे वह प्राणी है। कत्ता-आत्मा ही कत्ता है। कत्ता का अर्थ है-कर्मों का कत्ता-कत्त ति कत्ता कर्मणाम्।''आत्मसिद्धि'' नामक पुस्तक में कहा गया है-जड़ में चेतना नहीं होती, केवल जीव में ही चेतना होती है। बिना चेतन प्रेरणा के कर्म, कर्म का बंधन कैसे होगा? अतः जीव ही कर्म का बंधन करता है, क्योंकि चेतन प्रेरणा जीव के ही होती है। जब तक जीव कर्म बंधन करता है, तभी कर्म बंध होते हैं। कर्म करना जीव की इच्छा पर रहने से यह भी नहीं कहा जा सकता कि आत्मा सहज स्वभाव से ही कर्मों का कत्ता है। इससे यह सिद्ध हुआ कि कर्म करना जीव का आत्म-धर्म नहीं है, क्योंकि ऐसे होने से कर्म का बंधन उसकी इच्छा पर निर्भर नहीं करता, यह भी कहना ठीक नहीं है कि जीव असंग है और केवल कर्म प्रवृत्तियां ही कर्म-बंध करती हैं, ऐसा होता तो जीव का असली स्वरूप कभी का मालूम हो जाता। कर्म करने में ईश्वर की भी कोई प्रेरणा नहीं हो सकती, क्योंकि ईश्वर सम्पूर्ण शुद्ध स्वभाव का होता है।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड टेस्ट के तीसरे दिन का खेल भी रद्द

ग्रेटर नोएडा स्टेडियम पर मंडराया निलंबर का खतरा

ग्रेटर नोएडा (ईएमएस)। यहां अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला एकमात्र टेस्ट मैच बारिश के कारण घुलता नजर आ रहा है। मैच 9 सितंबर से शुरु होना था जो दो दिन बाद भी शुरु नहीं हो पाया। इस प्रकार आउट फील्ड गीला होने की वजह से तीसरे दिन का खेल भी रद करना पड़ा। अब दो दिन बचे हैं और इसमें क्या होता है ये देखना होगा। अब मैच को लेकर रेफरी की रिपोर्ट पर ही सबकुछ आधारित रहेगा। अगर इस स्टेडियम को छह नकारात्मक अंक मिलते हैं तो उसके ऊपर एक साल के निलंबन का खतरा भी रहेगा।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड भारत में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक मात्र टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है। इस मुकाबले को कराए जाने के लिए उसके सामने बीसीसीआई ने कानपुर, बैंगलोरऔर ग्रेटर नोएडा का भी विकल्प रखा था पर अफगानिस्तान (एसीबी) के अधिकारियों ने ही ग्रेटर नोएडा को मैच के लिए चुना था। अब मैच के दो दिन का खेल नहीं होने के बाद एसीबी बीसीसीआई पर आरोप लगा रहा है। एसीबी का कहना है कि अब से यहां दोबारा खेलने नहीं आयेंगे।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के इस मुकाबले में मैच रेफरी भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ हैं। 'पिच और आउटफील्ड रिपोर्ट फॉर्म' में मैच रेफरी के साथ अंपायरों और दोनों टीमों के कप्तानों की टिप्पणियां भी शामिल रहती हैं। इस रिपोर्ट के 14 दिन के अंदर आईसीसी सीनियर क्रिकेट संचालक के प्रबंधक इसे मेजबान बोर्ड को भेजकर स्टेडियम पर लगाये गए नकारात्मक अंकों की जानकारी देते हैं।

पेरिस पैरालंपिक में रजत विजेता निशानेबाज मनीष का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत , पिता ने उपहार में दी कार

फरीदाबाद (ईएमएस)। पेरिस पैरालंपिक खेलों में 10 मीटर पिस्टल निशानेबाजी में रजत पदक विजेता मनीष नरवाल का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। मनीष के पिता ने अपने बेटे की इस उपलबब्धि की प्रशंसा करते हुए उन्हें डिफेंडर कार उपहार में दी है। इस कार की कीमत तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपये है।

मनीष जैसे ही अपने घर फरीदाबाद पहुंचे। लोगों ने उनका शानदार स्वागत किया। इस दौरान मनीष नरवाल ने कहा कि वह युवाओं को एक ही संदेश देना चाहते हैं कि बस किसी भी हाल में आपको हार नहीं माननी चाहिए। अगर कोई खिलाड़ी मेहनत और लगन से अपने खेल के प्रति एकाग्रता रखता है तो निश्चित ही वह सफल होगा।

वहीं पदक से उत्साहित मनीष के पिता ने कहा, मुझे अपने बेटे पर गर्व है। मनीष ने परिवार के साथ-साथ देश का भी नाम रौशन किया है। मनीष ने पहले भी पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता है। इस बार उसे रजत मिला है पर वह अगली बार अवश्य ही स्वर्ण पदक जीतेगा। पेरिस पैरालंपिक 2024 में मनीष ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाज एसएच1 स्पर्धा में रजत पदक जीता था। इस दौरान विश्व के सर्वश्रेष्ठ पैरा-शूटर्स के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए मनीष ने सटीकता और फोकस का पूरा प्रदर्शन दिया था।

खेल - समाचार

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी : भारत ने मलेशिया को 8-1 से हराया

बीजिंग (ईएमएस)। राज कुमार पाल के तीन और अराईजीत सिंह हुंडल के दो गोलों की सहायता से भारतीय टीम ने बुधवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को 8-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने इस प्रकार इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। पहले मुकाबले उसने पहले मुकाबले में मेजबान चीन जबकि दूसरे में जापान को हराया था। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीसरी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत के लिए मैच में राज कुमार पाल ने तीसरे, 25वें और 33वें मिनट में गोल की हैट्रिक लगायी जबकि अराईजीत सिंह हुंडल ने छठे और 39वें मिनट में दो गोल दागे। इसके अलावा जुगराज सिंह ने सातवें, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 22वें और उत्तम सिंह ने

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों टाटा मोटर्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट से भी बाजार पर दबाव पड़ा और वह नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 398.13 अंक करीब 0.49 फीसदी नीचे आकर 81,523.16 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी 122.65 अंक तकरीबन 0.49 अंक नीचे आकर 24,918.45 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान के सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक गिरे। इसमें करीब 6 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा एनटीपीसी, अदानी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और टाइटन के शेयर भी गिरे।

वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस , हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 2,208.23 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रने से आई है। ।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 70 अंक करीब 0.08 फीसदी नीचे आकर 81,851 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 20 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी टूटकर 25,020 पर पहुंच गया।आर्थिक आंकड़ों के अलावा एशियाई बाजारों से आज सुबह कमजोर संकेत मिलने से भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। निवेशक अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) डेटा का इंतजार कर रहे हैं, जिससे ब्याज दरों में कटौती की जानकारी हासिल की जा सके।

वहीं एशियाई बाजार की की बात करें तो जापान के निक्केई 225 में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.86 फीसदी नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स भी 0.20 फीसदी गिरा हालांकि, कोसडैक इंडेक्स में 1.61 फिसदी की बढ़त रही। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स मामूली रूप से बढ़ा, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स वायदा 17,072 पर दिखे, जो कि एसएसआईइ के पिछले बंद स्तर 17,190 से कम है। वहीं, कल अमेरिकी बाजारों में मिलाजुला कारोबार दर्ज किया गया। निवेशक अमेरिका के महंगाई आंकड़ों और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव बहस का इंतजार कर रहे हैं। डाउ जोन्स 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 0.45 फीसदी की बढ़त रही।इसके अलावा नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

देश में चार्जिंग स्टेशन को बढ़ावा देने 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी का बयान

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि मोदी सरकार ई-मोबिलिटी की निरंतर वृद्धि में सहयोग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने पर ध्यान देने के साथ एक मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सम्मेलन में कहा, 'हमारा मंत्रालय चार्जिंग आधारभूत ढांचे पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि बनी रहेगी। इतना ही नहीं हम इस आधारभूत ढांचे को नवीकरणीय ऊर्जा के संसाधनों से अनिवार्य रूप से एकीकृत करने के लिए सचेत हैं ताकि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से अधिकतम पर्यावरणीय फायदे हासिल हो सके। उन्होंने उद्योग से आग्रह किया कि विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के साथ भारत के चिरस्थायी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध प्रयास और सहयोग करें।

मोदी सरकार बहुप्रतीक्षित फेम-तीन योजना के तहत चार्जिंग आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दे रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारी उद्योग मंत्रालय देशभर में चार्जिंग स्टेशन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। फेम के शुरुआती चरणों में चार्जिंग आधारभूत ढांचे पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया गया। मोदी सरकार ने फेम-1 में 520 चार्जिंग स्टेशन को मंजूरी दी थी। भारी उद्योग मंत्रालय के 2021 के बयान के अनुसार इसमें 452 स्थापित हुए थे। मंत्रालय ने 3 तेल विपणन कंपनियों को 7,432 इलेक्ट्रिक व्हीकल पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित के लिए 800 करोड़ रुपये दिए थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स हब बनेगा तमिलनाडु.....जेबिल इंक करेगी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश 5,000 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा

चेन्नई (ईएमएस)। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली कंपनी जेबिल इंक, जो कि अमेरिकी मोबाइल विनिर्माता की सप्लायर है, उस कंपनी ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है। प्लांट में कंपनी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 5,000 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। इस नए निवेश के बाद फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद तमिलनाडु में एप्पल का यह चौथा प्रमुख आपूर्तिकर्ता होगा। अमेरिकी कंपनी जेबिल इंक, जो पहले से ही सिस्को और एचपी जैसी कंपनियों की आपूर्तिकर्ता है नेहाल ही में भारत में एप्पल के लिए एयरपोड के पुर्जों काउत्पादन शुरू किया था। जेबिल की प्रमुख उत्पादन इकाइयां भारत से चीन और वियतनाम को निर्यात करती हैं। कंपनी का पुणे में स्थित संयंत्र 8.58 लाख वर्गफुट में फैला हुआ है, जहां करीब 2,500 कर्मचारी काम करते हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की हाल ही में हुई अमेरिकी यात्रा के दौरान निवेश सौदे को अंतिम रूप दिया गया। इस बारे में सीएम स्टालिन ने जानकारी देकर एक्स पर लिखा कि जेबिल द्वारा तिरुचिरापल्ली में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश से 5,000 नौकरियों का सृजन होगा और एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर तैयार होगा। इसके साथ रॉकवेल ऑटोमेशन भी कांचीपुरम में 666 करोड़ के निवेश के साथ अपने संयंत्र का विस्तार करेगी, जिससे 365 नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। तमिलनाडु सरकार युवाओं को कौशल विकास के लिए और एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ऑटोडेस्क के साथ भी एक समझौते पर हस्ताक्षर कर चुकी है।

बात दें कि तमिलनाडु हाल के दिनों में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में तेजी से उभरा है, खासकर आईफोन के निर्यात में वृद्धि के कारण इस दक्षिण के राज्य में निर्यात तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024 में राज्य का निर्यात 9.56 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 78 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि एप्पल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की चीन प्लस वन रणनीति का परिणाम है, जिसके चलते तमिलनाडु ने देश के इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में उभर रहा है।

निर्देशों का पालन नहीं करने वाले दो निजी बैंकों पर लगा करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऐलान किया है कि उसने दो निजी बैंकों, एक्सिस बैंक लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर कई नियामक निर्देशों का पालन न करने पर जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने इसी साल तीन सितंबर को एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ और एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बैंकों द्वारा नियामक नियमों का पालन न करने की वजह से की गई है। ऐक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ का जुर्माना आरबीआई की जांच के बाद लगाया। यह जांच 31 मार्च 2023 तक की बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर की गई थी। इस दौरान बैंक द्वारा बैंकिंग नियमों के कई उल्लंघन पाए गए, जिसके चलते यह जुर्माना लगाया गया है।

आरबीआई के मुताबिक बैंक ने ऐसे खाताधारकों के लिए बचत खाते खोले जो इसके योग्य नहीं थे। साथ ही बैंक ग्राहकों को यूनिक कस्टमर आईडी देने में भी नाकाम रहा। बैंक ने 1.60 लाख तक के कृषि ऋण के लिए गिरवी रखी संपत्ति को सुरक्षित नहीं किया। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना 'जमा पर ब्याज दर" अपने ग्राहक को जानें (केवॉयसी) और कृषि ऋण प्रवाह बिना गिरवी के कृषि ऋण जैसे नियमों का पालन नहीं करने की वजह से लगाया गया है।

इसी तरह एचडीएफसी बैंक पर भी आरबीआई ने एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बैंक द्वारा जमा पर ब्याज दर, रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति और बैंकों में ग्राहक सेवा से जुड़े आरबीआई के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। आरबीआई ने बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर 31 मार्च 2022 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आईएसई 2022 (निगरानी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण) किया।

सरकार में मंथन जारीः 15 साल पुरानी गाड़ियां नहीं होंगी कबाड़

नई दिल्ली(ईएमएस)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि सरकार वाहनों की 'उम्र' के बजाय उनसे फैलने वाले प्रदूषण के आधार पर उन्हें स्क्रैप में बदलने पर विचार कर रही है। उन्होंने वाहन उद्योग से प्रदूषण जांच के कार्यक्रम को 'भरोसेमंद' बनाने में सरकार की मदद करने को कहा। जैन ने कहा कि इन मानकों की समीक्षा की जा रही है। जैन ने कहा, ''जब आप 15 साल पुराने वाहन को कबाड़ में बदलना अनिवार्य करने वाली नीति लेकर आते हैं तो लोगों का एक सवाल होता है कि अगर उन्होंने अपने वाहन का अच्छी तरह से रखरखाव किया है, तो उनके वाहन को कबाड़ में क्यों बदला जाना चाहिए। आप इसे अनिवार्य नहीं कर सकते। फिलहाल, 15 साल से पुराने वाहनों की अनिवार्य स्क्रैपिंग केवल दिल्ली-एनसीआर में लागू है। 2018 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत, 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन और 10 साल से पुराने डीजल वाहन दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर नहीं चल सकते। अदालत ने पुराने और प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए यह आदेश दिया था। ऐसे वाहनों को स्वतः ही 'वाहन' डेटाबेस से डीरजिस्टर कर दिया जाता है।

कच्चे तेल में गिरावट से पेंट, एविएशन, टायर के शेयरों में आएगा उछाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2021 के बाद यह पहला मौका है जब ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया है। ऐसे में उन शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है, जिनका कनेक्शन कच्चे तेल के इस्तेमाल और आपूर्ति से है। क्रूड की कीमतों में गिरावट के चलते पेंट, एविएशन, केमिकल, टायर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। चूंकि, भारत पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के लिए क्रूड आयात करता है। ऐसे में भाव कम होने से महंगाई में भी राहत देखने को मिल सकती है।

क्रूड की कीमतों के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंच जाने से पेंट, एविएशन, टायर और केमिकल शेयरों में अच्छी तेजी आने की संभावना है। दरअसल कच्चे तेल का इस्तेमाल पेंट, टायर और केमिकल मटेरियल बनाने में किया जाता है। ऐसे में सस्ता क्रूड मिलने से इन कंपनियों की इनपुट कॉस्ट कम होगी और मुनाफा भी बढ़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में पेंट्स शेयरों ने ज्यादा अच्छा रिटर्न नहीं मिला है। मार्केट लीडर एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स स्थिर रहे हैं, वहीं कंसाई नेरोलैक के शेयर मूल्य में नौ फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर बालकृष्ण इंडस्ट्रीज, सिएट, अपोलो टायर्स और जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज जैसे टायर शेयरों ने 22फीसदी से 62फीसदी के बीच रिटर्न दिया है।

बवाल के बाद राहुल गांधी बोले-मैं 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण चाहता हूं तो खिलाफ कैसे हुआ?

वाशिंगटन डीसी(ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर अमेरिका में एक बयान दिया था। इसके बाद देश में सियासी घमासान मचना शुरु हो गया। इस पर राहुल गांधी ने सफाई देते हुए कहा कि मैं और कांग्रेस दोनो ही आरक्षण के खिलाफ बिलकुल नहीं हैं। मेरी बातों को तोड़ मेरोड़कर परोसा गया है उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करेगी। उन्होंने कहा कि मैं आरक्षण के खिलाफ नहीं हूं। हम तो सभी की भागीदारी के लिए राजनीति कर रहे हैं।

वाशिंगटन में मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर उनकी पार्टी को गलत समझा गया है। वो 50 प्रतिशत से आगे बढ़कर आरक्षण देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम जो कह रहे हैं वह केवल आरक्षण के विचार से अलग है। हम, जो चल रहा है उसकी व्यापक समझ चाहते हैं और फिर इसे ठीक करने के लिए नीतियों की एक सीरीज लागू करना चाहते हैं, आरक्षण भी उनमें से एक है। राहुल गांधी ने कहा, 'हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाने जा रहे हैं। मैं बार-बार यह कहता रहा हूं और कभी भी आरक्षण के खिलाफ नहीं रहा हूं। किसी ने मेरे बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत किया कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। राहुल गांधी ने पीएम मोदी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 2014 से भारत का राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। राहुल गांधी ने इसे एक आक्रामक दौर बताया जो पहले कभी नहीं देखा गया। राहुल गांधी ने कहा कि 2014 से भारत एक नए राजनीतिक दौर में प्रवेश कर गया है। उनके अनुसार, यह दौर आक्रामकता से भरा है और लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला कर रहा है। राहुल गांधी ने इसे एक कठिन लड़ाई बताया लेकिन साथ ही इसे एक अच्छी लड़ाई भी कहा। उनके अनुसार, चीजें बदल गई हैं।

रूस पर यूक्रेन का अब तक का घातक हमला144 ड्रोन से निशाना

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे घातक ड्रोन हमला किया है। यूक्रेन ने मॉस्को सहित 8 प्रांतों को 144 ड्रोन से निशाना बनाया है। हमले में कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को के आस-पास करीब 20 ड्रोन मार गिराए गए।

हमले में दर्जनों घर नष्ट हो गए हैं। इस हमले के चलते मॉस्को और उसके आसपासके एयरपोर्ट्स से 50 से ज्यादा उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा है। रूसी अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार को मॉस्को के 4 में से 3 एयरपोर्ट्स को 6 घंटे सेज्यादा समय तक बंद रहना पड़ा। हमलेमेंएक 46 वर्षीय महिला की मौत भी हो गई है। रूस ने अन्य 8 प्रांतों में 124 ड्रोन भी मार गिराए हैं।

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार.....2030 तक पैदा करेगा 5 करोड़ नौकरियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना बिक्री के आंकड़े को पार कर लेगा और 5 करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उम्मीद जाहिर की हैं कि भारत भविष्य में दुनिया का शीर्ष वाहन विनिर्माण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा, भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना तक पहुंचेगा है और इस ईवी बाजार से पांच करोड़ नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारतीय ईवी बाजार की क्षमता 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। अनुमान के मुताबिक, ईवी वित्तपोषण बाजार का आकार चार लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि लीथियम-आयन बैटरियों की लागत में और कमी आने की उम्मीद है, इससे किफायत में मदद मिलेगी और इस प्रकार बड़े पैमाने पर इसकी स्वीकार्यता में तेजी आएगी।

सीमा विवाद सुलझाने में नाकाम रहे पीएम मोदी : राहुल गांधी

चीन ने लद्दाख में हड़प ली दिल्ली के बराबर जमीन

वाशिंगटन(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका में हैं। यहां अलग अलग मुद्दों पर अपनी बात रख रहे हैं। उनके बयानों पर भारत में सियासी घमासान भी मच रहा है। बीते रोज राहुल ने कहा कि चीन ने लद्दाख में दिल्ली के बराबर जमीन पर कब्जा कर लिया है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ और ही बात करते हैं। वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब में मंगलवार को बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा चीनी सैनिकों ने लद्दाख में दिल्ली के बराबर जमीन पर कब्जा कर लिया है और मुझे लगता है कि यह एक आपदा है। मीडिया इसके बारे में लिखना पसंद नहीं करता। यदि किसी पड़ोसी ने उसके 4,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी। क्या कोई राष्ट्रपति यह कहकर बच पाएगा कि उसने इसे अच्छे से संभाला है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि नरेंद्र मोदी ने चीन को बिल्कुल भी अच्छे से संभाला है। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि चीनी सैनिक हमारे क्षेत्र में क्यों बैठे रहें। यह आपदा है।

इसके अलावा पाकिस्तान और बांग्लादेश पर भी राहुल गांधी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद दोनो ही देशों को पीछे धकेल रहा है। जब तक पाकिस्तान इस तरह से करता रहेगा दोनों देशों के बीच बीच की समस्याएं हल नहीं होगी। इसी तरह बांग्लादेश के रिश्तों को लेकर भी राहुल गांधी ने सटीक बात रखी। उन्होंने कहा कि बंगलादेश के लोगों के साथ हमारा पुराना रिश्ता है। मेरी दादी बंगलादेश के निर्माण में गहराई से शामिल थीं। मुझे लगता है कि बंगलादेश में चरमपंथी तत्वों को लेकर भारत में चिंताएं हैं और हम उनमें से कुछ चिंताओं को साझा करते हैं। हालांकि, मुझे विश्वास है कि बंगलादेश में चीजें स्थिर हो जाएंगी और हम वर्तमान सरकार या उसके बाद आने वाली किसी भी सरकार के साथ संबंध बनाने में सक्षम होंगे।

बहस में इजरायल,रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर भिड़े ट्रंप और कमला हैरिस

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे तीखे हमले भी बढ़ते जा रहे हैं। कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई डिबेट के दौरान दोनों ने एक-दूसरे पर हमले किए। एक तरफ ट्रंप ने कहा कि हैरिस जीतीं तो फिर इजरायल के अस्तित्व पर ही खतरा पैदा हो सकता है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध भी खत्म कराने की बात कही। इस पर हैरिस ने कहा कि आपको तो व्लादिमीर पुतिन खा जाएंगे। डिबेट के दौरान गाजा के युद्ध का भी मसला उठा।

इस पर कमला हैरिस ने कहा कि मैं तो टू-स्टेट सॉल्यूशन की बात करती हैं। इस पर डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि यदि मैं राष्ट्रपति होता तो वहां समस्या इस स्तर तक पहुंचती ही नहीं। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस तो इजरायल से नफरत करती हैं और उस क्षेत्र के अरबों से भी उतनी ही उन्हें नफरत है। इस पर कमला हैरिस ने कहा कि ट्रंप का दावा गलत है और मैं इजरायल के साथ हूं। वहीं जवाबी हमला बोलते हुए हैरिस ने कहा कि यदि ट्रंप राष्ट्रपति होते तो अब तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कीव में होते।कमला हैरिस ने कहा, व्लादिमीर पुतिन तो कीव में बैठे होते और उनकी नजर बाकी यूरोप पर होती। इसकी शुरुआत वह पोलैंड से करते। क्या आप जानते हैं कि एक तानाशाह से दोस्ती का क्या नतीजा हो सकता है। वह तो आपको लंचमेंही खा लेंगे। इस बीच एक सवाल ट्रंप से यह भी पूछा गया कि क्या वह रूस से जंग में यूक्रेन की जीत चाहते हैं? इस पर ट्रंप ने सीधे तौर पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि हम युद्ध रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जंग का रुकना ही अमेरिका के हित में है।

8 लाख की घूस लेते पकड़ा गया वाणिज्य कर विभाग का अधिकारी

उदयपुर (ईएमएस)। वाणिज्यिक कर विभाग के संयुक्त आयुक्त को कथित तौर पर 8 लाख रुपये की रिश्वत लेते एसीबी ने गिरफ्तार किया। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि शिकायतकर्ता ने कहा था कि आरोपी अधिकारी ने उसके रिसॉर्ट की जीएसटी सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं करने के बदले में रिश्वत की मांग की थी। शिकायत की पुष्टि करने के बाद एसीबी की टीम ने मंगलवार को उदयपुर में शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए संयुक्त आयुक्त रवींद्र जैन को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।इस मामले में अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

अब एसीबी रविन्द्र जैन के बैक खातों की तलाश ले रही है। एसीबी के सीआई सानू शेखावत के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई।

आरक्षण के मामले पर भाजपा राहुलगांधी को घेरा बताया पूर्वाग्रह

नई दिल्ली(ईएमएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि आरक्षण के मामले में राहुल का पूर्वाग्रह सामने आ गया गया है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर अखिलेश यादव, लालू यादव, तेजस्वी यादव, लेफ्ट फ्रंट और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन एवं उनके अन्य सहयोगियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा आरक्षण समाप्त करने की कांग्रेस पार्टी की कोशिश का पूरा विरोध करेगी। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि यह आरक्षण बाबा साहेब अंबेडकर की देन है और आरक्षण का विरोध करना राहुल गांधी की विरासत है। उनसे पहले जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी आरक्षण का विरोध कर चुके हैं।

प्रसाद ने प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लिखा था, सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये तस्वीर और तकदीर बदलनी चाहिए। लेकिन, राहुल गांधी ने इसे दूसरी तरह से समझ लिया है। उनका मानना है कि जब भी मैं विदेश जाऊंगा, हंगामा खड़ा करना ही मेरा मकसद है और मेरी फितरत व कोशिश है कि हंगामा बढ़ते रहना चाहिए। राहुल गांधी संविधान की लाल किताब लेकर घूमते रहते हैं। लेकिन, संविधान को बचाने की दुहाई और दावा करने वाले राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि हम आरक्षण खत्म कर देंगे, जब स्थितियां बनेंगी। उनके दिल में जो आरक्षण के लिए पूर्वाग्रह है, वो सामने आ गया है। जिस संविधान को बचाने की बात वो करते हैं, उसी संविधान के साथ सबसे बड़ा छलावा और धोखा वो कर रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट आई है। दिसंबर 2021 के बाद पहली बार ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव आया है। असम, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल सस्ता हुआ है, जबकि एमपी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में कीमतें बढ़ी हैं।

वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

चारों महानगरों की बात करें तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

मुइज्जू की भारत यात्रा से पहले 2 मंत्रियों ने सौंपा इस्तीफा

माले(ईएमएस)।मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बहुत जल्द भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस ऐलान के बाद मुइज्जू सरकार में दो जूनियर मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। इससे पहले जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिए 3 मंत्रियों को निलंबित किया गया था। इनमें से मरियम शिउना और मालशा शरीफ ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने बताया कि मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात होगी।

खबरों के मुताबिक, मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने कहा कि मुइज्जू की भारत यात्रा की सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है। दोनों पक्ष ऐसी तारीख पर चर्चा कर रहे हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के लिए सुविधाजनक हो। प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राष्ट्रपति का जल्द ही भारत जाने का कार्यक्रम है। जैसा कि आप जानते हैं, ऐसी यात्राएं ऐसे समय निर्धारित की जाती हैं, जो दोनों देशों के नेताओं के लिए अधिकतम सुविधाजनक हो। इस संबंध में चर्चा जारी है। चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 9 जून को नई दिल्ली की यात्रा की थी। पद संभालने के बाद सबसे पहले नई दिल्ली की यात्रा करने वाले अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत मुइज्जू ने सबसे पहले तुर्किये की यात्रा की। जनवरी में अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे थे। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के प्रमुख शामिल हुए थे मुइज्जू ने तब कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण पाकर और उनके शपथग्रहण में शामिल होकर खुशी हुई। मुइज्जू ने स्वदेश लौटने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा को मालदीव और क्षेत्र के लिए ''सफलता बताया था। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से मालदीव के लोगों के लिए समृद्धि बढ़ेगी।

राइजिंग राजस्थान में जापान-कोरिया के निवेशकों ने दिखाई रुचि, तारीफ भी की

-इस अंतरराष्ट्रीय अभियान को निवेशकों ही नहीं लोगों का भी मिल रहा समर्थन

टोक्यो,(ईएमएस)। राजस्थान के खास प्रोजेक्ट राइजिंग राजस्थान का दूसरा चरण बड़े उत्साह के साथ शुरु हो गया है। इसका उद्देश्य राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश लाना और इसे एक सशक्त आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस बार टोक्यो में आयोजित जापान इन्वेस्टर मीट (रोड शो) के मंच से राजस्थान की समृद्ध संभावनाओं का परिचय दिया गया। जापानी व्यापारियों ने इसमें उत्साह दिखाया और इसकी सराहना भी की।

उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव, आईएएस अजिताभ शर्मा ने बताया कि इस रोड शो का मुख्य उद्देश्य जापानी निवेशकों को राजस्थान की आर्थिक क्षमताओं और विकास से रूबरू कराना था। जापान से मिली प्रतिक्रिया न केवल प्रेरणादायक थी, बल्कि असाधारण भी। जापानी निवेशकों ने राजस्थान के उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर, और व्यवसाय के प्रति रुचि दिखाई जो भविष्य में राज्य के विकास के लिए एक मजबूत नींव साबित होगी।

इस आयोजन की सफलता पर राज्य के प्रतिनिधि और अधिकारी गर्व महसूस कर रहे हैं, जो इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल बनाने में जुटे हैं। राइजिंग राजस्थान के सियोल और टोक्यो में हुए रोड शो को लेकर सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। एक यूजर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा लिखा कड़ी मेहनत बेकार नहीं जाएगी और वही भविष्य में लाभांश तय करेगी। इस प्रयास की दीर्घकालिक सफलता में विश्वास जताया है। एक अन्य ने मजेदार तरीके से लिखा, सुपर से बी ऊपर। जब इतनी कड़ी मेहनत होगी तो एक्स्ट्रा से ब

कच्छ के नखतराणा के बाद अब मांडवी बंदरगाह पर गणेश भक्तों पर पथराव, पुलिस काफिले पर पथराव, उपद्रवी भागे

मांडवा,11 सितंबर

मांडवी पोर्ट में गणेश पंडाल पर पत्थरबाजी: राज्य में गणेश उत्सव के जश्न के बीच जहां पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, वहीं कल (10 सितंबर) कच्छ के नखतरा में गणेश पंडाल पर पथराव के बाद आज (11 सितंबर) गणेश भक्त मांडवी बंदरगाह पर पथराव किया गया है. इससे पहले सूरत, वडोदरा, भरूच में गणेश पंडाल पर पथराव की घटना हुई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कच्छ के मांडवी बंदरगाह पर विराजमान भगवान गणेश के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे. इसी बीच कुछ असामाजिक तत्व आये और श्रद्धालुओं पर पथराव शुरू कर दिया. ऐसी खबरें हैं कि पथराव के कारण कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं. घटना की जानकारी होने पर पुलिस टीम भी यहां पहुंच गई है। किसी भी बड़ी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस का बेड़ा भी तैनात किया गया है।

बता दें कि कच्छ के नखत्राणा के कोटडा जादोदरा गांव में कल गणेश मंडप पर पथराव हुआ था, जिसमें पुलिस ने चार नाबालिगों समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया था. इस घटना में भी सूरत की तरह बच्चों का इस्तेमाल कर शांति भंग करने की कोशिश की गई है. इस बीच ऐसी भी खबरें आईं कि उपद्रवियों ने पास के एक मंदिर पर दूसरे धर्म का झंडा भी फहरा दिया है. पुलिस ने बताया कि स्थानीय थाने की टीम ने मौके पर पहुंचकर नखत्राणाकी घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने शांति भंग करने की कोशिश करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है.

पाटन में एक और बड़ा हादसा, एसटी बस से टकराई बाइक, महिला समेत 3 की मौत

पाटन,11 सितंबर,

सामी-राधनपुर हाईवे पर एसटी बस-बाइक दुर्घटना: पाटन के सामी-राधनपुर हाईवे पर एक बाइक और एसटी बस के बीच भीषण टक्कर हुई है. जिसमें बाइक एसटी बस से टकरा गई और उसमें आग लग गई. इस हादसे में बाइक सवार एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई है.

जानकारी के मुताबिक पाटन के सामी-राधनपुर हाईवे से गुजर रही देवदार से वडोदरा जा रही एसटी बस की ट्रिपल राइडर बाइक से टक्कर हो गई. सामी से चिनाई का काम निपटाकर राधनपुर जा रहे बाइक सवार दो युवक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

एसटीबस से बाइक टकराने पर बाइक चलारहे मंजुलभान, प्रवीणभाई देवीपूजकऔर मुकेशभाई ठाकोर की मौके पर ही मौत हो गई। इस गंभीर हादसे केबाद कुछ ही देर बाद बाइक में आग लग गई. सामी-राधनपुर हाईवे गमख्वार में हुए इस हादसे के बाद सामी पुलिस और 108 की टीम घटनास्थल पर पहुंची और तीनों शवों को अस्पताल पहुंचाया.

खबरों के मुताबिक, पाटन शहर के वेराई चलका इलाके में रहने वाले प्रजापति परिवार के सात सदस्य आज गणेश विसर्जन के लिए सरस्वती नदी गए थे, जहां पूरा परिवार डूब गया. तैराकों ने तीन लोगों को बचा लिया, जबकि युवक का शव बरामद कर लिया गया और अन्य की तलाश की जा रही है और तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है.

गणेश विसर्जन के दौरान एक परिवार के 7 सदस्य नदी में डूबे

पाटन (ईएमएस)गुजरात समेत देशभर में गणेश महोत्सव चल रहा हैंवैसे तो गणेश महोत्सव 10 दिनों का होता है, लेकिन कहीं कहीं सुविधानुसार गणेश जी की स्थापना और विसर्जन किया जाता हैंगणेश प्रतिमाओं का विसर्जन समुद्र, नदी, नहर या तालाब में किया जाता है और उस दौरान कई बार दुर्घटनाएं भी हो जाती हैंऐसी ही एक घटना आज उत्तर गुजरात के पाटन से सामने आई हैंजहां गणेश प्रतिमा के विसर्जन के दौरान एक ही परिवार के 7 लोग नदी में डूब गएंजानकारी के मुताबिक पाटन के वेराई चकला क्षेत्र में रहनेवाला प्रजापति परिवार सरस्वती नदी में गणेश विसर्जन के लिए गया थाविसर्जन के दौरान प्रजापति परिवार के 7 सदस्य नदी में जा गिरेंहांलाकि घटना के बाद वहां मौजूद तैराकों ने प्रजापति परिवार के 3 सदस्यों को तो बचा लियाजबकि एक युवक का मृतदेह हाथ लगानदी में गिरे अन्य तीन लोगों की तलाश जारी हैंदुर्घटना की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक किरीट पटेल, प्रांत अधिकारी, तहसीलदार समेत अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंच गयाघटनास्थल पर पाटन समेत आसपास के तहसीलों की 8 जितनी एम्बुलैंस भी तैनात कर दी गई हैं

कालूपुर में बदलाव के चलते तीन साल तक बंद रहेगा यह रूट

अहमदाबाद,11 सितंबर,

अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन का कायापलट किया जा रहा है। इसके चलते कई ट्रेनों और रेलवे स्टेशन के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया है और मार्ग परिवर्तन के आदेश दिए गए हैं। उन्नयन कार्य के दौरान नागरिकों को असुविधा से बचने के लिए 11 सितंबर से कालूपुर रेलवे स्टेशन का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है.

अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर आईपीएस जी. एस। मलिक ने घोषणा की कि, 'गुजरात पुलिस अधिनियम, 1951 की उप-धारा 33 (1) (बी) (सी) के तहत मुझमें निहित शक्तियों के अनुसरण में, अहमदाबाद शहर में कालूपुर रेलवे स्टेशन को ध्वस्त करना और नए अद्यतन रेलवे स्टेशन और निकटवर्ती पुल के ध्वस्तीकरण के स्थान पर यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए मैं निम्नलिखित सड़क को बंद/डायवर्ट करने का आदेश देता हूं।'

11वीं से सारंगपुर सर्कल से कालूपुर रेलवे स्टेशन की ओर 200 मीटर की एक तरफ की सड़क को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है और इसलिए दूसरी तरफके रनवे का उपयोग करना होगा। रेलवे स्टेशन में यात्रियों के प्रवेश के लिए पुराना प्रवेश द्वार खोल दिया गया है। रेलवे स्टेशन के यात्री बाहर निकलने के लिए पश्चिम दिशा में सदर कंपनी द्वारा बनाए गए फुट ब्रिज का उपयोग कर सकते हैं। यदि यात्री मुख्य सड़क पर जाना चाहते हैं, तो वे मुख्य सड़क को जोड़ने वाली नवनिर्मित 30 फीट सड़क का उपयोग कर सकते हैं। सारंगपुर सर्कल से कालूपुर रेलवे स्टेशन और कालूपुर की ओर जाने वाले लोग सारंगपुर ट्रैफिक सर्कल से दाईं ओर पंचकुवा होते हुए सिंधी बाजार तक रेलवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। अगर कोई कालूपुर जाना चाहता है तो मोतीमहल होटल वाली सड़क का इस्तेमाल कर सकता है।

अगर आप कालूपुर से सारंगपुर, रायपुर, कांकरिया, गीता मंदिर जाना चाहते हैं तो आप सिंगल वन-वे का उपयोग कर सकते हैं जो कालूपुर रेलवे स्टेशन से खुला रखा गया है। पुलिस आयुक्त की अधिसूचना के अनुसार यह सड़क 11 सितंबर 2024 से बंद कर दी गई है. जो 10 सितंबर 2027 तक बंद रहेगा. नागरिकों को करीब 3 साल तक इस डायवर्जन का पालन करना होगा.कालूपुर की सड़क बंद होने के कारण मोटर चालकों के साथ बसों में यात्रा करने वाले लोगों के लिए भी मार्ग परिवर्तन प्रदान किया गया है। बस से यात्रा करने वालों के लिए डायवर्जन विवरण इस प्रकार है।

अहमदाबाद से गांधीनगर तक चलेगी मेट्रो, पीएम मोदी 16 सितंबर को करेंगे शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद तथा गांधीनगर में रहने वाले नागरिकों के लिए एक और आनंद का समाचार है। गुजरात सरकार एवं भारत सरकार के साथ भागीदारी में गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) द्वारा मेट्रो रेल नेटवर्क के दूसरे चरण का प्रारंभ होने जा रहा है। इस रूट के दायरे में अहमदाबाद व गांधीनगर के जीएनएलयू, पीडीईयू, गिफ्ट सिटी, रायसण, इनफोसिटी तथा सेक्टर 1 जैसे महत्वपूर्ण स्थान शामिल कर लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से मेट्रो रेल के दूसरे चरण के रूट का 16 सितंबर को गांधीनगर स्थित सेक्टर 1 से शुभारंभ किया जाएगा। मेट्रो रेल का दूसरा चरण शुरू होने से अहमदाबाद व गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ नागरिकों की यात्रा अधिक तेज, सुरक्षित एवं मितव्ययी बनेगी। इस फेज में मेट्रो की कनेक्टिविटी मोटेरा से गांधीनगर तक उपलब्ध होगी, जिसमें फेज का एक कॉरिडोर गिफ्ट सिटी तक जाएगा। इसके चलते कर्मचारियों एवं यात्रियों को अधिक एक्सेस मिलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। यह फेज 21 किलोमीटर का है, जिसमें शुरुआत में गांधीनगर के आठ स्टेशनों पर मेट्रो चलेगी। आने वाले समय में मेट्रो ट्रेन सचिवालय, अक्षरधाम, जीवराज मेहता भवन (पुराना सचिवालय), सेक्टर 16, सेक्टर 24 तथा महात्मा मंदिर तक जाएगी।

सस्ते व कार्यक्षम शहरी परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

मेट्रो रेल के विस्तार का एक महत्वपूर्ण पहलू समय एवं पैसे की बचत है। समय-समय पर यातायात में होने वाली वृद्धि तथा महंगे परिवहन की तुलना में मेट्रो एक वाजिब तथा विश्वसनीय परिवहन विकल्प बनेगी। एक उदाहरण से समझें, तो एपीएमसी (वासणा-अहमदाबाद) से गांधीनगर सेक्टर 1 तक की 33.5 किलोमीटर की मेट्रो यात्रा केवल 65 मिनट में पूर्ण होती है, जिसका खर्च केवल लगभग 35 रुपए रहेगा। इसकी तुलना में टैक्सी से इस यात्रा का समय 80 मिनट और किराया 415 रुपए से भी अधिक होता है। ऑटो रिक्शा में यही किराया 375 रुपए तक रहता है, जिसमें मेट्रो के आसपास या उससे अधिक लगता है। समय तथा पैसे की बचत होने से दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों और गांधीनगर व गिफ्ट सिटी के आसपास के क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए मेट्रो ट्रेन परिवहन का पसंदीदा विकल्प बनेगी। यह सेवा शुरू होने से अहमदाबाद के व्यस्त मार्गों पर यातायात कम करने में मदद मिलेगी, जो प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

शक्तिपीठ अम्बाजी में आज से भादौ पूर्णिमा के मेले का शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस)51 शक्तिपीठों में से एक उत्तर गुजरात स्थित अम्बाजी में गुरुवार को भादौ पूर्णिमा के मेला का शुभारंभ होगाएक सप्ताह तक चलने वाले इस मेले में देशभर से लाखों की संख्या में माईभक्तों का जमावडा लगेगाश्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बनासकांठा प्रशासन समेत अम्बाजी मंदिर ट्रस्ट की ओर विशेष प्रबंध किए गए हैंअंबाजी आनेवाला प्रत्येक श्रद्धालु देवी माता के सरलता से दर्शन कर सके इसलिए आरती और दर्शन के समय में फेरबदल किया गया हैंजानकारी के मुताबिक सुबह 6 बजे से शाम 6.30 बजे तक अंबाजी मंदिर में आरती की जाएगीमां अम्बा के भक्तों के लिए मंदिर सुबह 6 बजे से 11.30 बजे तक दर्शन के लिए खुला रहेगाउसके बाद 12 बजे माताजी को राजभोग लगाया जाएगा। दोपहर 12.30 बजे से शाम 5 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खुला रहेगा। शाम 7 से 7.30 बजे तक आरती की जाएगी। जिसके पश्चात 7.30 से रात 12 बजे तक मंदिर खुला रहेगा। अम्बाजी जाने वाले सभी श्रद्धालुओं, पदयात्रियों के लिए प्रशासन द्वारा हरसंभव व्यवस्थाएं की गई हैं। पार्किंग से लेकर आरती, दर्शन समय, आवास, भोजन व्यवस्था, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर समेत आवश्यक सूचनाएं सोशल मीडिया और अंबाजी में विभिन्न मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की गई हैं। अम्बाजी में लाखों तीर्थयात्रियों और भक्तों के लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा मुफ्त भोजन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को अम्बाजी में तीन जगहों पर मुफ्त भोजन-प्रसाद मिलेगा। शक्तिपीठ अम्बाजी महामेले में जितना महत्व पदयात्रा और दर्शन का है उतना ही महत्व माताजी के मनभावन प्रसाद मोहनथाल का भी है। अम्बाजी आने वाले सभी भक्त मोहनथाल का प्रसाद अवश्य घर ले जाते हैं। भादौ पूर्णिमा मेले के दौरान 3.25 लाख किलो मोहनथाल प्रसाद की व्यवस्था की गई हैंबता दें कि शक्ति, भक्ति और आस्था का त्रिवेणी संगम है विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल अम्बाजी मंदिर। फिलहाल भादौ पूर्णिमा महाकुंभ शुरू होने में अभी कुछ घंटे बाकी हैं, लेकिन उससे पहले अंबाजी की ओर जानेवाले रास्तों पर माईभक्तों का सैलाब उमड़ने लगा हैंबड़ी संख्या में श्रद्धालु सैंकड़ों को किलोमीटर पैदल चलकर देवी माता के दर्शन करने अंबाजी पहुंचते हैंअम्बाजी में लाखों की संख्या में आनेवाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गुजरात पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) की ओर से भी बसों का विशेष इंतजाम किया हैं

नाबालिग लड़की के दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद,

अहमदाबाद (ईएमएस)यात्रा के दौरान बस में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में पोस्को कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल की सजा सुनाई हैंसाथ ही रु. 4 लाख की रकम पीड़िता को बतौर मुआवजा देने का आदेश दिया हैंजानकारी के मुताबिक अहमदाबाद निवासी 16 वर्षीय नाबालिग लड़की अमरेली में पढ़ाई करती हैंजनवरी 2023 में छुट्टी खत्म होने के बाद प्राइवेट ट्रावेल्स की बस में अहमदाबाद से अमरेली जा रही थीयात्रा के वक्त अहमदाबाद में रहनेवाला ध्रुव परमार नामक युवक ने लड़की के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की और शारीरिक संबंध बनाने की मांग कीलड़की ने जब विरोध किया तो ध्रुव ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और उसे ब्लैकमेल करने लगाशादी की लालच और डरा धमका कर उसका अपहरण कर लिया तथा अमरेली में अलग अलग जगहों पर लड़की को ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ऊंझा में श्री उमिया मंदिर में ध्वजा महोत्सव का शुभारंभ कराया

- उमिया संस्थान द्वारा किया जा रहा समाज की शक्ति का सदुपयोग अनेक संस्थानों के लिए प्रेरणादायी है

मेहसाणा (ईएमएस)मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को ऊंझा स्थित श्री उमिया माताजी मंदिर में ध्वजा पूजन कर ध्वजा महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'विरासत के साथ विकास' के ध्येय मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें संस्कृति के संरक्षण के जरिए नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम करना है। मुख्यमंत्री ने 'पौधे में परमात्मा', 'वृक्ष में वासुदेव' और 'छोड़ में रणछोड़' की भावना से विरासत को बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने हरित राष्ट्र के लिए प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को चरितार्थ करने के लिए उपस्थित सभी लोगों से एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की भी अपील की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आज लोकार्पित की गई क्लॉथ बैग वैंडिंग मशीन का उपयोग करने की अनुरोध करते हुए बताया कि राज्य के 14 विभिन्न धार्मिक स्थानों में लगाई गईं ऐसी मशीनें प्लास्टिक मुक्त अभियान को गति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'विकसित भारतॅ2047' के संकल्प को सिद्ध करने के लिए किए गए आह्वान के परिप्रेक्ष्य में हम विरासत का गौरव बढ़ाने के लिए अपने नागरिक कर्तव्यों का अवश्य पालन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से श्री उमिया माताजी संस्थान, ऊंझा द्वारा समाज की शक्ति का सदुपयोग किया जा रहा है, वह अनेक संस्थानों के लिए प्रेरणादायी है।

इस मौके पर पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि आज मां उमिया ट्रस्ट द्वारा ऊंझा में ध्वजा महोत्सव का सुंदर आयोजन किया गया है। ध्वजा महोत्सव की प्रणाली अनादिकाल से चली आ रही है। श्री उमिया माताजी संस्थान द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सामूहिक विवाह सहित अनेक सामाजिक, शैक्षणिक और धार्मिक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मां उमिया के प्रागटय स्वरूप के 1868 वर्षों की स्मृति में मंदिर प्रांगण में ध्वजा चढ़ाने का अनूठा कार्य हुआ है। उन्होंने सभी से प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' मंत्र को सार्थक करने की दिशा में आगे बढ़ने का अनुरोध किया।

संस्थान के अध्यक्ष एवं दसक्रोई के विधायक बाबूभाई पटेल ने कहा कि उमिया माताजी मंदिर, ऊंझा के इस ध्वजा महोत्सव में हर समाज को साथ लेकर महोत्सव का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज और राज्य के विकास सहभागी बनना समाज के लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा 'मां उमिया आनंद ना गरबा' का विमोचन किया गया तथा ध्वजा महोत्सव में दान देने वाले दाताओं एवं समाज के प्रतिष्ठित लोगों का सम्मान किया गया। इसके अलावा, कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गुजरात में धार्मिक झंडा लगाने पर भिड़े दो गुट, पथराव

भरूच,(ईएमएस)। गुजरात के भरूच में धार्मिक झंडे को लेकर दो गुटों आमने सामने आ गए। इस दौरान दोनों तरफ से पथराव होना लगा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि विवाद एक तरफ गणेश महोत्सव और दूसरी तरफ इस्लामिक धार्मिक झंडा लगने से शुरू हुआ। डीएसपी भारूच मयूर चावड़ा के मुताबिक बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि दो समुदाय के लोग आमने सामने आ गए हैं। झंडे लगाने को लेकर दोनो गुटों में बवाल हुआ था। पुलिस ने आकर स्थिति पर काबू पाया है। इसकी जांच की जा रही है।

बाढ़ प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने वडोदरा में आज कांग्रेस की जन आक्रोश रैली

अहमदाबाद (ईएमएस)वडोदरा में भारी बारिश और बाढ़ से शहरवासियों को करोड़ों का नुकसान हुआ हैं

बाढ़ प्रभावित वडोदरा के लोगों का उनके नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने कल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया हैंगुजरात प्रदेश कांग्रेस की यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक वडोदरा नगर निगम सिस्टम की घोर लापरवाही और असावधानी के कारण शहर की विश्वामित्री नदी में विनाशकारी बाढ़ आ गई है और इस बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। जिससे वडोदरावासी तबाह हो गए हैं

इस बाढ़ से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ हैंसरकार सृजित यह बाढ़ एक बार नहीं बल्कि दो बार आई जिससे पूरा वडोदरा शहर तबाह हो गया। पर्याप्त चेतावनियों और पूर्वानुमानों के बावजूद, प्रशासन की निष्क्रियता और तैयारी की कमी के कारण यह त्रासदी हुई है। जलाशयों को समय पर खाली नहीं किया गया और जल निकासी व्यवस्था बुरी तरह विफल हो गई, जिसके परिणामस्वरूप अभूतपूर्व बाढ़ आई।

यह प्रशासनिक विफलता और लापरवाही का स्पष्ट मामला हैंवडोदरा के लोगों को हुए भारी नुकसान के लिए उचित मुआवजे की मांग को लेकर कांग्रेस द्वारा दोपहर 2-00 बजे सयाजीनगर गृहश्री कलेक्टर कार्यालय तक पदयात्रा के रूप में एक विरोध रैली आयोजित की जाएगी।

इस रैली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ महासचिव एवं सांसद, गुजरात कांग्रेस के संगठन प्रभारी मुकुल वासनिकजी, गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं सांसद शक्तिसिंह गोहिल, गुजरात विधानसभा कांग्रेस पार्टी के नेता अमित चावड़ा, उपनेता शैलेश परमार, ए.आई.सी.सी. मंत्री रामकिशन ओझा एवं उषा नायडू सहित क्षेत्र के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और कांग्रेस पार्टी के नेता विरोध रैली में शामिल होंगे और वडोदरा के प्रभावित निवासियों के लिए न्याय की मांग करेंगे।

पीएम मोदी 15 सितंबर से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर

अहमदाबाद (ईएमएस)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 15 सितंबर से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैंखास बात यह है कि तीसरी प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी पहली बार गुजरात आ रहे हैं 15 और 16 सितंबर को गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगेअपनी गुजरात यात्रा के दौरान पीएम मोदी सार्वजनिक कार्यक्रमों के अलावा राजभवन में राजनीतिक समीकरण और प्रशासन को लेकर बैठक कर सकते हैं16 सितंबर को पीएम मोदी रिन्युअल एनर्जी को लेकर होनेवाले एक्सपो और अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो सेवा का उदघाटन भी करेंगेइसके पश्चात पीएम मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में भाजपा के एक लाख से ज्यादा कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्म दिन है, लेकिन उस दिन का अब तक कोई कार्यक्रम तय नहीं हुआ हैंबता दें कि अपने जन्म दिन 17 सितंबर को पीएम मोदी अपनी माता हीरा बा का आशीर्वाद लेने जरूर आते थेंहीरा बा के निधन के बाद पीएम मोदी उनके निवास पर जा सकते हैं, हांलाकि इस बारे में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं हैं

आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 16सितंबर,2024को खुलेगी

अहमदाबाद, 11 सितंबर, 2024: चुनिंदा माइको मार्केट में आपूर्ति के मामले में शीर्ष 10 डेवलपर्स में से एक, और एमएमआर, महाराष्ट्र में एक स्थापित डेवलपर आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड (कंपनी) (स्रोतः एनारोंक रिपोर्ट), सोमवार, 16 सितंबर, 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (ठइश्यूठ) खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/इश्यू खुलने की तारीख से

एक कार्य दिवस पहले है, यानी शुक्रवार, 13 सितंबर, 2024 और बोली/इश्यू बंद होने की तारीख गुरुवार, 19 सितंबर, 2024 को होगी।

इश्यू का मूल्य बैंड 121 प्रति इकिटी शेयर से लेकर 128 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 110 इकिटी शेयरों और उसके बाद 110 इकिटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियों लगाई जा सकती है।

इस निर्गम में 4,100.00 मिलियन तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है नया निर्गम)।

कंपनी ने निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग विकास व्यय के वित्तपोषण तथा रियल एस्टेट परियोजनाओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए अभी तक चिन्हित नहीं की गई भूमि के अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

रेडहेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (''बीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (''एनएसई'', बीएसईवेकसाथ, ''स्टॉकएक्सचेंज'') दोनों पर सूची बद्ध करने का प्रस्ताव है।

यूनिस्टोन कैपिटल इस इश्यू के लिए एकमात्र बुकरनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) है।

एथर एनर्जी लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर **(E2W)** बाजार में अग्रणी और एक शुद्ध इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी एथर एनर्जी लिमिटेड, जो अपने सभी उत्पादों को भारत में ही डिजाइन करती है, ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश **(IPO)** के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस **(DRHP)** दाखिल किया है। कंपनी को तरुण मेहता, स्वप्निल जैन और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड द्वारा प्रमोट किया गया है।

बेंगलुरू में मुख्यालय वाली कंपनी के आईपीओ में 3,100 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 2,20,00,766 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

कंपनी आरओसी के पास आरएचपी दाखिल करने से पहले 620 करोड़ रुपये तक की निर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट कर सकती है। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जाता है, तो नए इश्यू का आकार ऐसे प्री-आईपीओ प्लेसमेंट की सीमा तक कम हो जाएगा।

इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड हैं।

इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

डीएनए वेलनेस ने सर्वाइकल कैंसर से लड़ने के लिए डीएनए प्लोइडी टेस्ट का विशेषाधिकार दिया है

अहमदाबाद, 11 सितंबर, 2024: डीएनए वेलनेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (डीएनए वेलनेस) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने कनाडा स्थित ब्रिटिश कोलंबिया कैंसर रिसर्च एजेंसी द्वारा विकसित एक अभूतपूर्व नैदानिक उपकरण डीएनए प्लोइडी टेस्ट आयोजित करने का विशेषाधिकार हासिल कर लिया है। इस परीक्षण का ब्रांड नाम **'CERViSure'** है, जो सर्वाइकल कैंसर के निदान के लिए एक तेज़, सटीक और गैर-आक्रामक तरीका है। इसके साथ ही कंपनी ने अहमदाबाद में भारत की पहली पैंइंएलि प्रयोगशाला भी लॉन्च की, जो यहां के लोगों को सर्वाइकल कैंसर की जांच प्रदान करेगी। रु. यह 5,500 इन 1 परीक्षण सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपकरण है।

यह परीक्षण एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए बाँझ ब्रश का उपयोग करके गर्भाशय से म्यूकोसल नमूना लेकर किया जाता है। फिर इन नमूनों को एआई-समर्थित सॉफ़्टवेयर के साथ संसाधित और विश्लेषण किया जाता है, जो उच्च सटीकता सुनिश्चित करने के लिए 50 मिलियन से अधिक रोगी नमूनों के डेटाबेस

के साथ परीक्षण परिणामों की तुलना करता है।

CERViSure के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, डीएनए वेलनेस के सह-संस्थापक, पथिक भंडारी ने कहा, 'भारत में डीएनए प्लोइडी टेस्ट लॉन्च करना भारत को सर्वाइकल कैंसर से मुक्त बनाने के हमारे दृष्टिकोण की दिशा में हमारा पहला कदम है। यह शीघ्र निदान के माध्यम से भारत भर में महिलाओं को सशक्त बनाएगा और इस प्रकार प्रभावित रोगियों की जीवित रहने की दर में सुधार करेगा। अपने घरेलू बाजार यानी गुजरात से शुरुआत करते हुए, हम पूरे भारत में अपनी आइसोलेशन प्रयोगशालाएं स्थापित करने जा रहे हैं, ताकि पैंइंएलि की पहुंच का विस्तार किया जा सके।'

पथिक भंडारी ने आगे कहा, 'आगे बढ़ते हुए, डीएनए वेलनेस डीएनए प्लोइडी टेस्ट के लिए रुपये आवंटित किए जाएंगे। 200 करोड़ का निवेश होगा. अक्टूबर 2024 तक कंपनी अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सूरत में ऐसी पृथक प्रयोगशालाओं का अनावरण करेगी।'

20 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को हर तीन साल में कम से कम एक बार **CERViSure** परीक्षण कराने की सलाह दी जाती है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अंजना चौहान ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे आम कैंसरों में से एक है, फिर भी यह सबसे अधिक रोकथाम योग्य कैंसरों में से एक है। जीवन बचाने के लिए शीघ्र निदान महत्वपूर्ण है और **CERViSure** पहल के हिस्से के रूप में डीएनए प्लोइडी परीक्षण की शुरूआत एक महत्वपूर्ण प्रगति है। अपनी उच्च संवेदनशीलता और विशिष्टता के साथ, यह परीक्षण गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के विकसित होने से बहुत पहले ही कैंसर पूर्व परिवर्तनों का पता लगाना संभव बनाता है।

वेस्टर्न कैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ शुक्रवार, 13 सितंबर, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 11 सितंबर, 2024: वेस्टर्न केरियर्स (इंडिया) लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार, 13 सितंबर, 2024 को खुलेगा। इस ऑफर में 400 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और राजेंद्र सेठिया द्वारा कुल 54 लाख इकिटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

एंकर निवेशक गुरुवार, 12 सितंबर, 2024 को पैसा लगा सकेंगे। आईपीओ बुधवार, 18 सितंबर, 2024 को बंद हो जाएगा। आईपीओ में शेयरों का भाव 163 से 172 रुपये प्रत्ति इक्विटी शेयर तय किया गया है।बोली न्यूनतम 87 इकिटी शेयरों के लिए और उसके बाद 87 इकिटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है।

फ्रेश इश्यू से शुद्ध आय में से 163.5 करोड़ रुपये तक का उपयोग कुछ बकाया उधारों के एक हिस्से के पूर्व

भुगतान या निर्धारित पुनर्भुगतान के लिए करने का कंपनी का प्रस्ताव है। इसके अलावा, 151.7 करोड़ रुपये तक का उपयोग पूंजीगत खर्च जरूरतों - वाणिज्यिक वाहनों, 40 फीट विशेष कंटेनरों और 20 फीट सामान्य शिपिंग कंटेनरों और रीच स्टेकरों की खरीद के लिए तथा शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए खर्च की जाएगी।

इकिटी शेयरों का ऑफर 7